# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

8

3 यूपी: नौकरशाही में बड़ा उलटफेर

5 पहली पाली की परीक्षा समाप्त

7 रिलीज के पहले सप्ताह में सर्वाधिक कमाई करने वाली शीर्ष पांच फिल्में, दो सीक्वेल भी हैं शामिल

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 09 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 26 अगस्त, 2024











# नेपाल बस हादसा: महाराष्ट्र के यात्रियों ने गोरखपुर से बुक की थी बस, 18 की मौत

घटना सोनौली सीमा से करीब 170 किमी दूर मस्यागड़ी नदी में घटी है। तनाहुन के एसपी वीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर दो स्थित ऐन पहरा के पास नदी में बस गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर पहुंच गए हैं।

| सि.नं. | नामथर | ठेगाना | यात्रु संख्या | सम्पर्क नं. | कै. |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | जवाहिर महतो | वीरगंज बसपार्क नजिक | १ | नखुलेको | चालक |
| २ | राजेन्द्र के.सि. | नखुलेको | १ | नखेलेको | साहु |
| ३ | ..............चौधरी | नखुलेको | १ | नखुलेको | सहचालक |
| ४ | प्रकाश | विरगंज म.न.पा.१४ पिप्रा | २ | ९८०६८०६५०० | आर्को यात्रु नाम नखुलेको |
| ५ | अरबिन्द दुवे | नखुलेको | १ | ९८१५२३७८८५ | यात्रु |
| ६ | हरिन्द्र पण्डित | नखुलेको | १ | ९८६५१००९२९ | यात्रु |
| ७ | प्रमानन्द जी | मुसहर्वा बारा | १ | - | यात्रु |
| ८ | हृदयनारायण राउत | रंगपुर पर्सा | ३ | - | यात्रु |
| ९ | सालिम मिया | रघुनाथपुर पर्सा | २ | ९८१९२५५५४९ | यात्रु |
| १० | रैजुल आलम | पुर्वारी कटिया पर्सा | २ | ९७४५६९६९५० | यात्रु |
| ११ | कुलदिप | रामनगरी पर्सा | २ | ९८२३०५२८७६ | ९८२९००३७९८ यात्रु |
| १२ | अंसारी जी | भारतिय | २ | ९८२९४८३६१९ | यात्रु |
| १३ | सन्तोष ठाकुर | भारतिय | १ | ९८०८३८८३७७ | यात्रु |
| १४ | सुरेन्द्र साह | भारतिय | १ | - | यात्रु |
| १५ | आदित मिया | भारतिय | १ | ९८१५५३५६०२ | यात्रु |
| १६ | सुनिल | भारतिय | १ | ९७०६२३२५५७ | यात्रु |
| १७ | सहनवाज आलम | भारतिय | १ | - | यात्रु |

**गोरखपुर।** सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। पोखरा से काठमांडू जाने वाली बस में 42 यात्री सवार थे। जिसमें 15 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। गोरखपुर से यात्रियों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को पोखरा से काठमांडो जाने के दौरान नेपाल तनहुन के अबुखैरेनी में मार्स्यांगडी नदी में गिर गई।

जिसमें बस चालक समेत 18 लोगों की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस एवं सेना के जवान राहत बचाव में जुट गए हैं। सूचना के बाद सीमावर्ती जिला महराजगंज के नौतनवा तहसील के एसडीएम और सोनौली पुलिस भी घटना स्थल के लिए रवाना हो चुकी है।

घटना सोनौली सीमा से करीब 170 किमी दूर मस्यागड़ी नदी में घटी है। तनाहुन के एसपी वीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर दो स्थित ऐन पहरा के पास नदी में बस गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर पहुंच गए हैं। नेपाल में यात्रियों को ले जा रही बस के नदी में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। शुरुआती जानकारी में बस के नदी में गिरने से 18 भारतीयों की मौत हो गई। इस बस में कुल 42 यात्री सवार थे। राजधानी काठमांडो में अपने गंतव्य से लगभग 110 किलोमीटर दूर तनहुन जिले में मार्सयांगडी नदी में गिर गई, जिससे ये दर्दनाक हादसा हुआ।

**लोगों को बचाने के लिए सेना और पुलिस जुटी**

बस पोखरा से काठमांडो जा रही थी। दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। सेना और पुलिस की रेस्क्यू टीम ने 14 शवों को बरामद किया और 16 लोगों को सुरक्षित निकालने में कामयाबी पाई है। दुर्घटनाग्रस्त बस पोखरा के मझेरी रिजार्ट में ठहरे हुए भारतीय को लेकर काठमांडो जा रही थी। सशस्त्र पुलिस के सह प्रवक्ता और डीएसपी शैलेंद्र थापा ने बताया कि दोपहर दो बजे तक 18 लोगों के शव घटनास्थल से बरामद किए गए हैं।

तनाहुन डीएसपी दीपक कुमार राय ने कहा है कि मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। सशस्त्र पुलिस बल नेपाल आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण स्कूल के एसएसपी माधव पौडेल की कमान के तहत 10 गोताखोरों और नंबर 23 मनकामना गण भानु तनाहुन के 35 लोगों सहित 45 लोगों की एक टीम को बचाव के लिए लगाया गया है। चूंकि घटना स्थल खड़ी और दुर्गम है।

**महाराष्ट्र के यात्रियों ने गोरखपुर से बुक की थी बस**

बताया जा रहा है कि गोरखपुर सिटी के एक ट्रेवल्स से बस को बुक किया था। महाराष्ट्र के सभी यात्री इलाहाबाद से बस में सवार हुए थे। सभी यात्री पहले चित्रकूट गए फिर वहां से गोरखपुर होते हुए नेपाल गए थे।

कुल तीन बस बुक कराई गई थीं। पर्यटकों के दल में कुल 110 लोग थे। जिस बस की दुर्घटना हुई है वह 45 सीट की है। इसमें एक नाबालिक और दो चालक–सहचालक सहित 42 यात्री सवार थे। जिसमे 16 लोगों को निकाल कर उपचार के लिए अस्पताल में ले जाया गया है।

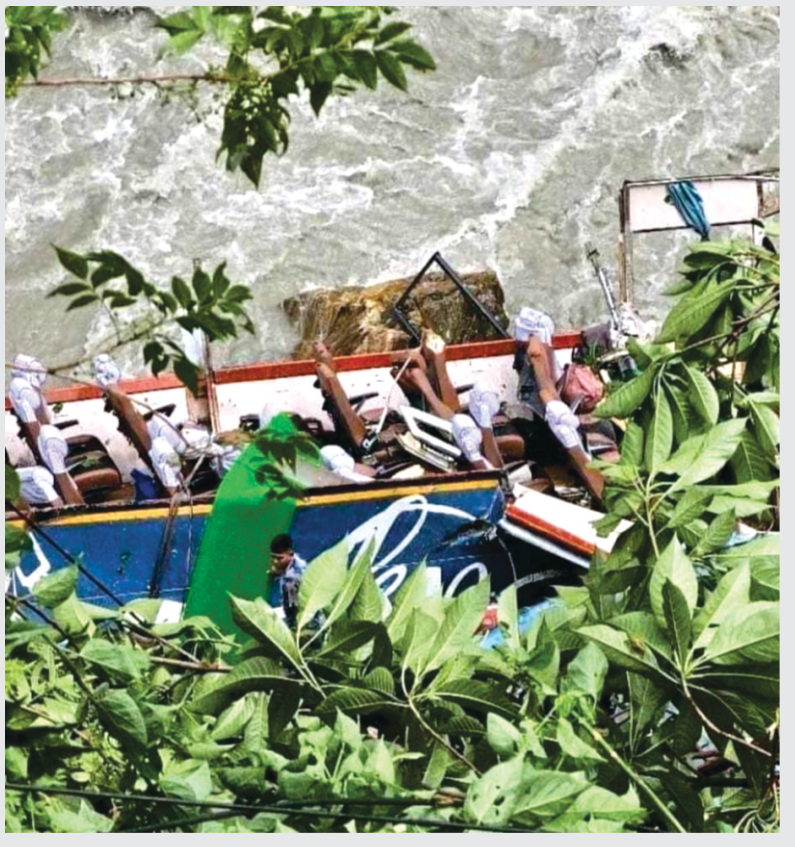

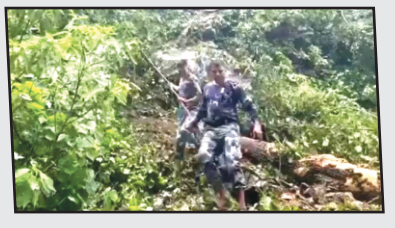









महाराष्ट्र के लोगों का एक दल गोरखपुर से नेपाल तीर्थ और पर्यटन के लिए गया था। केशरवानी ट्रेवल्स की एक बस और दो वोल्वो से ये सभी यात्री नेपाल के लिए गोरखपुर के निकल थे। कल रात में पोखरा से काठमांडू के लिए जा रहे थे। नेपाल के मुगललग से पांच किलोमीटर पहले ये हादसा हो गया। हादसे में मृतकों के शव को नेपाली प्रशासन खोज रही है। कुछ शव के मिलने की सूचना है। बताया जा रहा है कि 15 शव अभी तक नदी से निकाले जा चुके हैं। चालक समेत 10 लोग लापता हैं। सभी यात्रियों के साथ चालक की तलाश की जा रही है। साथ चल रही वोल्वलो के यात्री सकुशल हैं। तनाहुन के एसपी बीरेंद्र शाही ने बताया कि मार्सयांगडी अंबुखैरेनी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर–2 स्थित ऐन पहरा के पास नदी में बस गिर गई। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर पहुंच गए हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। पोखरा से काठमांडू जाने वाली बस में 42 यात्री सवार थे। पुलिस राहत बचाव में जुटी है।

## सम्पादकीय

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है

# महिला सुरक्षा हो पहली प्राथमिकता

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने माना है कि अगर कोई लड़का नाबालिग लड़की से प्यार का इजहार करने के लिए लगातार उसका पीछा करता है, तो यह पॉक्सो कानून के तहत यौन उत्पीड़न के बराबर होगा। दरअसल अमरावती की एक अदालत ने 4 फरवरी 2021 को एक युवक नाबालिग लड़की का पीछा करने पर दोषी ठहराते हुए एक साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा के खिलाफ आरोपी ने हाई कोर्ट में अपील की थी। अपीलकर्ता ने दावा किया था कि उसे झूठे केस में फसाया गया है, क्योंकि पीड़िता किसी और लड़के के साथ संबंध में थी। लेकिन हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में इस अपील पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सानप ने तथ्यों के मद्देनजर कहा कि पीड़िता के बयान से स्पष्ट है कि अपीलकर्ता की उस पर कोई रुचि नहीं थी। बावजूद इसके अपीलकर्ता बार–बार उसका पीछा कर रहा था। वह उससे बात कर प्रेम संबंध बनाना चाहता था। वह इस उम्मीद में बार–बार उसका पीछा कर रहा था कि एक दिन वह उसके प्रेम को स्वीकार कर लेगी, जबकि पीड़िता की अपीलकर्ता में कोई दिलचस्पी नहीं थी। करीब साढ़े तीन दशक पहले फिल्म आई थी डर, जिसका बहुचर्चित गीत है तू हां कर या ना कर, तू है मेरी किरण। इस गीत में मधुरता के अलावा सब कुछ बेहद डरावना है, क्योंकि लड़की की मर्जी को यहां पुरुष के अहम तले कुचला जा रहा है। और लड़की जब नाबालिग हो तो यह मामला और संगीन हो जाता है। इस वक्त जब देश में यौन उत्पीड़न और महिला सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस खड़ी हो चुकी है, उसमें नागपुर बेंच का यह फैसला काफी मायने रखता है। अमरावती की जिस घटना पर आरोपी को सजा सुनाई गई, वैसी घटनाएं इस देश में हर रोज़ हज़ारों बार घटती हैं। लाखों लड़कियां छेड़खानी को किसी भयावह श्राप की तरह सहती हैं और अक्सर इस पर शिकायत नहीं करती, क्योंकि इसमें भी या तो उन्हीं की गलती तलाशी जाती है या फिर उनके पढ़ाई और करियर पर रोक लगा दी जाती है। बहुत से मामले तो ऐसे भी हुए हैं, जब लड़की की शिकायत पर परिजन उसका साथ देने आगे आएं, तो उनके साथ हिंसक व्यवहार होता है। छेड़खानी या यौन शोषण के मामले में लड़की अगर निचली जाति की हुई तब उसके लिए कानून के दरवाजे पर पहुंचना और कठिन हो जाता है। छेड़खानी के मामलों को नजरंदाज करना या उन पर किसी कड़ी सजा का प्रावधान न होना ही आगे जाकर बड़ी घटनाओं का रास्ता खोलता है। देश इस वक्त ऐसे कई मामलों पर फिर से समाज को उद्वेलित होता देख रहा है। कोलकाता मामले में तो अब सुप्रीम कोर्ट ही स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। जिसमें सभी संबंधित पक्षों से कई तरह के सवाल हो रहे हैं। डॉक्टरों के सामने अपनी सुरक्षा का सवाल भी खड़ा हो गया है, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से काम पर लौटने कहा है, साथ ही एक नेशनल टास्क फोर्स बनाने की बात कही है, जो डॉक्टरों, जूनियर डॉक्टरों, सहायकों, नर्सों समेत सभी हितधारकों की बात सुनेगा। कोलकाता मामले में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुल चुकी है। खुद मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने कहा कि वे एक परिजन की बीमारी के दौरान सरकारी अस्पताल की फर्श पर सोए हैं और उन्होंने देखा है कि डॉक्टरों को 36–36 घंटे काम करना पड़ता है। जूनियर डॉक्टरों का हर तरह से शोषण होता है, यह बात भी शीर्ष अदालत के संज्ञान में आई है। कोलकाता मामले में पीड़िता के परिजनों को ये इंतजार है कि इंसाफ कब मिलेगा। लेकिन इस बीच महाराष्ट्र में ठाणे के बदलापुर में एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण की घटना पर फिर से सियासत तेज हो गई है। हालांकि इस मामले में भाजपा प.बंगाल की तरह आवाज ऊंची नहीं कर रही है, क्योंकि महाराष्ट्र में उसी की सत्ता है और जिस स्कूल में यह वारदात हुई, वह भाजपा से जुड़ा व्यक्ति है। इस मामले में प्राथमिकी भी तभी दर्ज हो पाई, जब जनता इस पर नाराज होकर सड़कों पर उतरी। राहुल गांधी ने इस पर कहा कि क्या अब एफआईआर तक दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाने तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है? सभी सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की 'मर्जी का मोहताज' नहीं बनाया जा सकता।

आज के माहौल को राहुल गांधी की इस बात को गंभीरता से सुना जाना चाहिए, क्योंकि वे केवल सांसद ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष भी हैं और जिनके जिम्मे सत्ता है, यानी प्रधानमंत्री मोदी, वो इन मामलों पर कुछ कहते ही नहीं हैं। लालकिले से महिला सम्मान और सुरक्षा को लेकर दो–चार वाक्य बोल देने और समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल मुहैया करवाने में काफी फर्क है। भाजपा इस फर्क को मिटा ही नहीं पा रही है। महाराष्ट्र के मामले में भाजपा के गठबंधन वाली महायुति सरकार का पक्षपाती नजरिया तभी सामने आ गया, जब सरकारी वकील के तौर पर उज्ज्वल निकम को नियुक्त किया गया। श्री निकम ने आतंकी कसाब को जेल में बिरयानी खिलाने वाला झूठ फैलाया था। वे भाजपा की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं, ऐसे में बेहतर होता कि किसी निष्पक्ष वकील को सरकार यह दायित्व सौंपती। वैसे बदलापुर की घटना के विरोध में महाविकास अघाड़ी ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया है। चुनाव में भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन फिलहाल सब के लिए पहली प्राथमिकता महिला सुरक्षा होना चाहिए, क्योंकि ये अकेले किसी एक दल या राज्य या परिवार के नहीं पूरे देश के हित की बात है।

# असुरक्षित औरतें,मॉलिवुड पर जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट

जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के खिलाफ 17 प्रकार के शोषण का उल्लेख है। रिपोर्ट को सार्वजनिक करने में पांच साल लगे। इस रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न रोकने वाले कानूनों की सीमाओं और ताकतवर लॉबी के प्रभाव का भी वर्णन है। रिपोर्ट में महिलाओं की असुरक्षा पर जोर दिया गया है।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति को जाहिर करने वाली जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट आखिर सोमवार को सार्वजनिक हो गई। रिपोर्ट में दी गई बातें हैरान तो करती ही हैं, इस रिपोर्ट को सामने लाने के लिए जिस तरह की मशक्कत करनी पड़ी, वह भी अपने आप में बहुत कुछ कहती है।

### पांच साल का इंतजार

कमिटी का गठन 2017 में मलयालम फिल्मों की जानी–मानी अभिनेत्री के अपहरण और सेक्शुअल असॉल्ट की घटना के बाद किया गया था। कमिटी ने 2019 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। सूचना के अधिकार (त्ज्) के तहत किए गए आवेदनों के जरिए पांच साल के लंबे और कठिन संघर्ष के बाद यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में लाई जा सकी।

### 17 तरह के शोषण

रिपोर्ट का कंटेंट देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि क्यों वहां की ताकतवर लॉबी इसे सार्वजनिक किए जाने के खिलाफ थी और क्यों उसने इसे लोगों की नजरों से छुपाए रखने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। रिपोर्ट में कम से कम 17 तरह के शोषण गिनाए गए हैं, जिनसे केरल फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही महिलाओं को गुजरना पड़ता है। इनमें लेडीज टॉयलेट और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाओं की कमी और पारिश्रमिक में भेदभाव से लेकर काम के बदले में सेक्स की डिमांड तक तमाम तरह के शोषण शामिल हैं।

### इंटरनल कमिटी से फायदा नहल

रिपोर्ट में ठीक ही कहा गया है कि सेक्शुअल हैरासमेंट ऑफ विमिन एट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रॉहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट 2013 जैसे कानून और इसके तहत अनिवार्य बताए गए इंटरनल कमिटी गठित करने जैसे प्रावधान इन मामलों में ज्यादा मदद नहीं करते। इसकी एक वजह यह है कि ये वर्कप्लेस पर हैरासमेंट की बात करते हैं जबकि फिल्म इंडस्ट्री में शोषण अक्सर काम मिलने से पहले ही शुरू हो जाता है। दूसरी बात यह कि शोषण करने वाले लोगों की लॉबी इतनी ताकतवर है कि शिकायत करने की हिम्मत दिखाने पर भी करिअर खत्म हो जाता है।

### बीमारी का बड़ा दायरा

भले जस्टिस हेमा कमिटी की यह रिपोर्ट सिर्फ केरल फिल्म इंडस्ट्री की बात करती हो, अन्य फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। इसे भी महज संयोग नहीं कहा जा सकता कि जिस समय यह रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, कोलकाता में एक डॉक्टर के रेप और मर्डर की घटना को लेकर पूरा देश उद्वेलित है। ऐसी घटनाएं अलग–अलग इलाकों और पेशों में महिलाओं की असुरक्षा का सवाल पेश करती रहती हैं। ऐसे में कोई एक कानून, कोई एक आयोग या प्राधिकरण इसका इलाज नहीं हो सकता। पुलिस–प्रशासन, कानून–अदालत और परिवार–समाज सभी स्तरों पर दीर्घकालिक प्रयास ही बेहतरी सुनिश्चित कर सकते हैं।

# मोदीकी पोलैण्ड–यूक्रेन यात्रा

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीकी पोलैण्ड और यूक्रेनकी यात्रा विशेष रूपसे महत्वपूर्ण है और इसके दूरगामी परिणाम भी निकलनेकी सम्भावना है। मोदी २१ और २२ अगस्तको पोलैण्डमें और २३ अगस्तको यूक्रेनमें रहेंगे। पिछले ४५ वर्षोंमें किसी भारतीय प्रधान मंत्रीकी यह पहली पोलैण्ड यात्रा है। इसके पूर्व १९७९ में तत्कालीन प्रधान मंत्री मोरारजी देसाई पोलैण्ड गये थे। भारतसे प्रस्थान करनेसे पूर्व प्रधान मंत्री मोदीने कहा कि पोलैण्डके साथ राजनयिक सम्बन्धोंके ७० वर्ष पूरा होनेके अवसरपर मेरी यह यात्रा हो रही है। पोलैण्ड मध्य यूरोपका हमारा साझीदार है। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों देशोंके बीच कूटनीतिक सम्बन्धोंकी स्थापनाके ७० वर्ष पूर्व हो रहे हैं। वे पोलैण्डमें भारतीय समुदायके लोगोंसे भी मिलेंगे। भारत और पोलैण्डके पारस्परिक सम्बन्धोंका समृद्ध इतिहास है। निवेश, व्यापार, तकनीक, संस्कृति और शिक्षाके अतिरिक्त द्वितीय विश्वयुद्धके दौरान महाराजा दिग्विजय सिंहने हजारों पोलिश बच्चोंको शरण दी थी। वहां उनके स्मारक भी हैं। भारत और पोलैण्डके बीच दस वर्षोंमें १९२ प्रतिशत व्यापार बढ़ा है। २०२३ में भारतने पोलैण्डके साथ ३.९५ बिलियन डालरका निर्यात और १.७६ बिलियन डालरका आयात किया था। भारतका पोलैण्डमें तीन बिलियन डालरसे अधिकका निवेश है। वहीं, पोलैण्डका भारतमें ६८५ मिलियन डालरका निवेश है। भारत पोलैण्डसे रक्षा व्यापार भी करता है। ऊर्जा और तकनीकके क्षेत्रमें कई समझौते भी हुए हैं। अगले वर्ष पोलैण्ड यूरोपीय यूनियन कौंसिलका अध्यक्ष बननेवाला है। पोलैण्डके राजदूतका यह कथन भी काफी महत्वपूर्ण है कि भारत दुनियाकी आवाज है। मोदीकी यात्रा एक मजबूत सन्देश देगी कि भारत शान्तिके पक्षमें है। प्रधान मंत्री मोदी २३ अगस्तको पोलैण्डसे दस घण्टेकी ट्रेन यात्रा कर यूक्रेन जायंगे। रूस–यूक्रेन युद्धके बीच उनका यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यूक्रेन १९९१ में अलग देश बना था। उसके बाद किसी भारतीय प्रधान मंत्रीने वहांकी यात्रा नहीं की। मोदीकी यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब यूक्रेनने कुछ दिनोंसे रूसकी सीमामें घुसकर हमले शुरू कर दिये हैं। यूक्रेनने रूसके कुछ इलाकोंपर कब्जा भी कर लिया है। ऐसी स्थितिमें रूस यूक्रेनपर जल्द बड़ा हमला कर सकता है। प्रधान मंत्री मोदीने कहा है कि वह यूक्रेन संकटका शान्तिपूर्ण समाधान निकालनेका प्रयास करेंगे इसमें कितनी सफलता मिलेगी, यह अभी अनिश्चित है। वैसे रूस और यूक्रेन दोनोंके साथ भारतके स्वतंत्र सम्बन्ध हैं। मोदी शान्तिका फार्मूला लेकर यूक्रेन जा रहे हैं। यदि इसपर सहमति बनती है तो वह बड़ी उपलब्धि होगी।

# सीधी भर्तीपर रोक उचित

केन्द्र सरकारका उच्च विशेषज्ञ पदोंपर सीधी भर्ती रद कर दी गयी है। इसके साथ ही संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने २४ मंत्रालयोंमें संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिवके ४५ प्रशासनिक पदोंपर विशेषज्ञोंकी नियुक्तिके विज्ञापनको रद कर दिया है। विज्ञापन जारी होनेके बाद विपक्षी दलोंके साथ ही सरकारके कुछ सहयोगी दलोंने भी इसका विरोध किया था जिसके मूलमें आरक्षण मुख्य मुद्दा था, क्योंकि इस भर्तीमें एससी–एसटी और ओबीसी आरक्षणका प्राविधान नहीं है। सहयोगी दलोंके विरोधसे ऐसा लगता है कि केन्द्रने उच्च पदोंपर सीधी भर्तीका निर्णय लेनेसे पूर्व सहयोगी दलोंसे विचार–विमर्श नहीं किया जिसे रणनीतिक चूक ही कहा जा सकता है। सरकारको इस बातका अहसास था कि उसके निर्णयसे सियासी पारा चढ़ेगा और स्थिति असहज हो जायगी। ऐसेमें सहयोगी दलोंका समर्थन मिलना जरूरी था लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सरकारको अपना कदम पीछे खींचना पड़ा। कहनेको तो सीधी भर्तीपर रोक केन्द्रका दबावमें आना है लेकिन इसके निहितार्थको समझना होगा। राजनीतिक लाभके लिए देशमें आरक्षणका मुद्दा पहलेसे ही गर्माया हुआ है। यहांतक कि संविधानपर खतरेकी बात की जा रही है और इसका लाभ विपक्षको मिल भी रहा है जो सर्वविदित है। पिछले आम चुनावमें भाजपा और उसके गठबन्धनको इससे काफी नुकसान पहुंचा था। आरक्षणका मुद्दा बेहद संवेदनशील है। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विधानसभाओंके चुनाव अगले महीने होनेवाले हैं। इसके तत्काल बाद झारखण्ड और महाराष्ट्रके विधान सभाओंके चुनाव होनेवाले हैं, जहां आरक्षण बड़ा मुद्दा बन सकता है। इस दृष्टिकोणसे प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीका सीधी भर्तीपर हस्तक्षेपका निर्णय सरकारकी दूरदर्शिता ही कहा जायगा। आरक्षित वर्गके लोग सीधी भर्तीका हिस्सा नहीं बन सकते हैं। विपक्ष और अन्य विरोध करनेवाले राजनीतिक

## लोक संवाद

### बंगलादेशमें मानवाधिकार

महोदय,–बंगलादेशमें हिन्दुओंका कत्लेआमसे मानवाधिकारका हनन भारतके लिए अत्यंत पीड़ादायक रहा है। बंगलादेशवाली घटनासे सबक लेकर हमे अलर्ट रहनेकी आवश्यकता है। अफगानिस्तानमें बंदूककी नोंकपर देशमें तालिबानी आकाओंने राज छीन लिया। बंगलादेश, श्रीलंका जैसे लोकतांत्रिक देशोंके तख्तापलटकी अंतरराष्ट्रीय साजिश बहुत कुछ बयां करनेके लिए तैयार है। प्रधान मंत्री शेख हसीना अपनी जान बचाकर भारतमें रह रही है, जबकि बंगलादेशमें हिन्दुओंके लिए सरकारने औपचारिकता पूरी नहीं की है। बेसहारा छोड़े गये हिन्दू और हिन्दुओंके मंदिरमें तोड़फोड़ कर हिंसात्मक प्रवृत्तिको आज भी आगे बढ़ानेके लिए सोची–समझी चाल है। उपद्रवियोंने कत्लेआम करके कट्टरपंथी ताकतोंको बढ़ावा दिया गया है। हर नागरिककी जानमालकी गारंटी सरकारकी होनी चाहिए। बंगलादेशमें तख्तापलटके बाद नये बने प्रधान मंत्रीने आश्वासन जरूर दिया है लेकिन हिन्दुओपर हो रहे जुल्मोसितम आज भी बन्द नहीं हुए है। मुस्लिम बहुसंख्यक देशोंमें हिन्दू होना बहुत बड़ा गुनाह है। देशकी स्थिति समय आनेपर जरूर सुधरती दिखाई देगी। स्थायी शांति भी होगी, लेकिन ७५० लोगोंकी हत्याका जिम्मेदार कौन है। कानून व्यवस्थाको नहीं संभाला जाना वहांके हुक्मरानोंकी सबसे बड़ी भूल है। ६५ थानोंमें ताला लगा दिया गया था। वहांपर पुलिस नहीं थी। जहांपर अल्पसंख्यक समुदायके लोगोंकी आबादी थी। मुस्लिम देशोंमें हिन्दू सुरक्षित नहीं है। पाकिस्तानमें भी हिन्दू और हिन्दू मन्दिरोंकी क्या दशा है। यह सोचनीय बाबत है। किसी भी धर्मके लोग क्यों नहीं है। दरअसल वह हिंसाका शिकार नहीं होना चाहिए। प्रतिरक्षा और आंतरिक सुरक्षाकी जिम्मेदारी सरकारकी होनी चाहिए है। विपक्षी दल गाजापट्टीकी चिंता करता है लेकिन हिन्दुओंपर होनेवाले जुल्मोसितमका विरोध नहीं किया है। सांत्वनाके दो शब्द भी नहीं बोले हैं। –**कांतिलाल मांडोत, वाया ईमेल।**

# यूपी : नौकरशाही में बड़ा उलटफेर

## 13 आईएएस अधिकारी हुए इधर से उधर, मिनिष्ती एस बनीं वित्त सचिव

गोरखपुर,संवाददाता। यूपी की नौकरशाही में बड़ा उलटफेर हुआ है। बुधवार देर शाम 13 आईएएस अधिकारियों का तबादला हुआ। प्रतीक्षा में चल रहीं मिनिष्ती एस को वित्त विभाग में सचिव बनाया गया है। प्रदेश सरकार ने बुधवार को 13 आईएएस अफसरों की जिम्मेदारियों में बदलाव कर दिया। प्रतीक्षा में चल रहीं मिनिष्ती एस को वित्त विभाग में सचिव बनाया गया है। आगरा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और वहां की संभागीय खाद्य नियंत्रक अनिता यादव को प्रतीक्षारत कर दिया गया है।

प्रतीक्षारत चल रहे के. विजयेंद्र पांडियन को आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, आयुक्त एवं निदेशक हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, उत्तर प्रदेश राज्य वस्त्र निगम लिमिटेड, स्टेट स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड, स्टेट यार्न कंपनी लिमिटेड, सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड और उत्तर प्रदेश वित्त निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। ग्रेटर नोएडा की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग को नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। गोंडा की सीडीओ एम. अरून्मोली को आगरा विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष (वीसी) बनाया गया है। अलीगढ़ की सीडीओ व वहां की संभागीय खाद्य नियंत्रक आकांक्षा राणा को विशेष कार्याधिकारी, कुंभ मेला प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई। बहराइच की सीडीओ राम्या आर को विशेष सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ के संयुक्त प्रबंध निदेशक मुकेश चंद्र को बहराईच का सीडीओ, कुशीनगर की संयुक्त मजिस्ट्रेट अंकिता जैन को गोंडा का सीडीओ, प्रतापगढ़ के सीडीओ नवनीत सेहारा को उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ लिमिटेड का संयुक्त प्रबंध निदेशक, प्रतीक्षारत चल रहे अरविंद सिंह को अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद, बुलंदशहर की संयुक्त मजिस्ट्रेट डॉ. दिव्या मिश्रा को प्रतापगढ़ का सीडीओ और कानपुर नगर की संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रखर कुमार सिंह को अलीगढ़ का सीडीओ बनाया गया है।

## अभ्यर्थियों के लिए पांच दिन चलेगी परीक्षा स्पेशल ट्रेन

गोरखपुर, 23 से 31 अगस्त तक पुलिस भर्ती परीक्षा होगी। इसके चलते अलीगढ़ से कानपुर को जाने वाली 04190 मेमू सुपर फास्ट ट्रेन को परीक्षा स्पेशल ट्रेन के तौर पर संचालित किया जाएगा। पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर रेलवे की ओर से परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। एक पैसेंजर ट्रेन को री शिड्यूल किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि 23 से 31 अगस्त तक पुलिस भर्ती परीक्षा होगी। इसके चलते अलीगढ़ से कानपुर को जाने वाली 04190 मेमू सुपर फास्ट ट्रेन को परीक्षा स्पेशल ट्रेन के तौर पर संचालित किया जाएगा। यह ट्रेन अलीगढ़ से दोपहर 01:40 बजे चलकर शाम 07:45 पर कानपुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04187 कानपुर–टूंडला दोपहर 02:05 की बजाए 03:15 बजे चलेगी। इन ट्रेनों का संचालन 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त तक किया जाएगा।

# दुधवा टाइगर रिजर्व में पर्यटकों का नहीं बढ़ेगा शुल्क

**दुधवा टाइगर रिजर्व आने वाले पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। पर्यटकों के लिए इस बार दुधवा टाइगर रिजर्व में शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहल्ल होगी। सभी तरह की पर्यटन गतिविधियों का शुल्क पिछले वर्ष के बराबर ही रहेगा। बता दें दुधवा टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन की हुई बैठक में 10 प्रतिशत शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया था लेकिन आपत्ति के बाद इसे निरस्त कर दिया गया।**

राज्य ब्यूरो, गोरखपुर। दुधवा टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के लिए इस बार शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। सभी तरह की पर्यटन गतिविधियों का शुल्क पिछले वर्ष के बराबर ही रहेगा। दुधवा टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन की बुधवार को हुई बैठक में 10 प्रतिशत शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन फाउंडेशन के सदस्यों की आपत्ति के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. अरुण सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में बताया गया कि फाउंडेशन के पास 415.60 लाख रुपये उपलब्ध हैं।

वर्तमान वित्तीय सत्र 2024–25 के लिए 265.80 लाख रुपये के खर्च को हरी झंडी दी गई। मंत्री ने कहा कि मानव वन्य जीव संघर्ष, पर्यटन एवं फ्रंटलाइन स्टाफ पर किए जाने वाले खर्च को प्राथमिकता दी जाए। आवंटित धनराशि को इसी पर्यटन वर्ष में पूरा खर्च कर लिया जाए। सुहेली और गेरुवा नदी की शिल्ट सफाई के लिए प्रस्ताव बनाकर उच्च स्तर पर भेजने के निर्देश दिए।

### वाहनों में लगेंगे जीपीएस

बैठक में पर्यटन के प्रयोग में लाए जाने वाले वाहनों में जीपीएस लगवाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। बलहा की विधायक ने वन क्षेत्र के नजदीक ग्रामीणों के लिए लाइट और शौचालय बनवाने का प्रस्ताव रखा था। इसे फाउंडेशन ने स्वीकृति दे दी है। बैठक में पलिया के विधायक रोमी साहनी, अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह, विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा व प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव संजय श्रीवास्तव मौजूद थे।

# यूपी सिपाही भर्ती परीक्षा : इन आठ जिलों में नहीं बनाए गए सेंटर, चप्पे–चप्पे पर रहेगी निगरानी, दिए गए ये निर्देश

गोरखपुर,,संवाददाता। यूपी में 60 हजार सिपाही भर्ती परीक्षा में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो इसके लिए सरकार खास तौर पर अलर्ट है। जिन आठ जिलों में सेंटर नहीं बनाए गए हैं, वहां भी सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए हैं। यूपी पुलिस के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा को सकुशल आयोजित कराने के लिए पुलिस ने भी कमर कस ली है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस बाबत मातहतों को अहम दिशा–निर्देश जारी किए हैं, जिसमें चप्पे–चप्पे की निगरानी करने के साथ संदिग्धों को चिन्हित करने को भी कहा गया है। पुलिस की सतर्कता का आलम यह है कि जिन 8 जिलों में कोई परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है, वहां भी सुरक्षा बंदोबस्त मजबूत रखने का निर्देश दिया गया है।

डीजीपी ने सिपाही सीधी भर्ती की परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जारी निर्देशों में कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों के आसपास सीसीटीवी कैमरों को क्रियाशील करा लिया जाए। नये सीसीटीवी कैमरे भी पर्याप्त संख्या में लगाए जाएं। चिन्हित हॉट–स्पॉट्स की ड्रोन से चेकिंग कराई जाए। परीक्षा केंद्रों का प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा स्थलीय भ्रमण करके संभावित भीड़ तथा अपेक्षित संसाधनों का आकलन करने के साथ समुचित प्रबंध किए जाएं।

शिक्षा विभाग, परीक्षा केंद्रों के प्रबंधकों तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सतर्कता, तत्परता तथा संचरण योजना एवं कंटिनजेंसी प्लान के लिए कार्ययोजना के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। परीक्षा के दो दिन पूर्व से लेकर परीक्षा समाप्ति के पश्चात अभ्यर्थियों व अभिभावकों के जिले से प्रस्थान तक की स्थिति का समुचित आकलन कर प्रभावी पुलिस प्रबंध किए जाएं। परीक्षा केंद्रों तथा रेलवे मेट्रो स्टेशन एवं बस, टैक्सी स्टैंड, होटल एवं रेस्टोरेंट पर भीड़ प्रबंधन के लिए भी कार्ययोजना बनायी जाए।

केंद्रों के संचालकों, प्रबंधकों व अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों से पूर्व से वार्ता कर सतर्क दृष्टि रखी जाए। राजपत्रित अधिकारियों एवं मजिस्ट्रेट की संयुक्त रूप से ड्यूटी लगाई जाए। पुलिस बल की अधिक से अधिक विजिबिलिटी सुनिश्चित की जाए। जिन थाना क्षेत्रों में परीक्षा केंद्र हैं, वहां यूपी–112 पीआरवी के वाहनों को तैनात किया जाए। केंद्रों के आसपास के महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों को भी चिन्हित कर लिया जाए। परीक्षा के दृष्टिगत असामाजिक तत्वों का चिन्हीकरण करते हुए अभिसूचना विभाग, एसटीएफ तथा जिलों की पुलिस द्वारा परस्पर उच्च स्तरीय समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए।

### ये निर्देश भी दिए

– परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक गैजेट्स एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री ले जाने के संबंध में गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

– परीक्षा केंद्रों के प्रवेश स्थलों पर अभ्यर्थियों की तलाशी में सहयोग हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मी (महिला एवं पुरुष) तैनात किये जाए।

– परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटो कापी मशीन की दुकानों एवं साइबर कैफे, मोटरसाइकिल स्टैंड आदि की प्रभावी चेकिंग की जाए।

– प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों तक एवं उत्तर पुस्तिकाओं को कोषागार तक पहुंचाने के लिए नोडल अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

– सोशल मीडिया सेल व एलआईयू को और अधिक सक्रिय व सतर्क रखा जाए। परीक्षा से संबंधित अफवाहों व अन्य पोस्ट का तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही करें।

– अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों के आवागमन के दृष्टिगत रेलवे, परिवहन निगम के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक प्रभावी कार्यवाही की जाए।

– जिलों, कमिश्नरेट के नियंत्रण कक्ष को और अधिक सक्रिय रखें। परीक्षा से संबंधित हर सूचना एवं घटना की जानकारी डीजीपी मुख्यालय के नियंत्रण कक्ष व भर्ती बोर्ड को दी जाए।

– किसी भी आकस्मिकता की स्थिति से निपटने हेतु अस्पताल चिन्हित कर लिए जाएं। इसके लिए डीएम तथा चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए।

# रिटायर्ड फौजी की क्रूरता

## पिस्टल से नाबालिग बेटे का सीना कर दिया छलनी, घटना से दहशत में पूरा परिवार

गोरखपुर,,संवाददाता। रिटायर्ड फौजी की क्रूरता सामने आई है। उसने पिस्टल से अपने ही नाबालिग बेटे का सीना छलनी कर दिया। घटना से पूरा परिवार दहशत में है। उत्तर प्रदेश के आगरा में बुधवार शाम को घर में सेवानिवृत्त फौजी धीरज गुर्जर ने 16 वर्षीय बेटे विवेक की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोप है कि पिता नशे में था। घरवालों को गाली दे रहा था। बेटे ने ऊंची आवाज में बोलने से मना किया। घर के अंदर जाने के लिए कहा था। आरोपी फरार है। उसकी तलाश में पुलिस टीम लगाई गई है। घटना सदर थाना क्षेत्र के राजपुर चुंगी स्थित उखर्रा की है।

एसीपी सदर डॉ. सुकन्या शर्मा ने बताया कि धीरज शराब पीने का आदी है। बुधवार सुबह भी शराब पीकर आया था। इस बात पर घर में झगड़ा हो गया। शाम को 7 बजे भी गाली दे रहा था। उस समय बेटा विवेक भैंस को सानी लगा रहा था। उसने पिता को गाली देने से मना किया। कहा कि घर के अंदर जाओ। यहां पर सब लोग देख रहे हैं। इस पर वो और गाली देने लगा। बेटा तेज आवाज में पिता को बोलने लगा। इससे धीरज इतना नाराज हुआ कि वह घर के अंदर से लाइसेंस पिस्टल ले आया। विवेक को अंदाजा नहीं था कि पिता गोली चला देगा। विवेक के सीने में गोली लगी। वह गिर पड़ा। आवाज सुनकर मां सुधा और छोटा भाई नितिन आ गए। वह विवेक को उठाने के लिए दौड़े। उधर, धीरज भाग निकला। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। विवेक को एसएन मेडिकल कॉलेज लेकर आए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

### कक्षा नौ का छात्र था विवेक

विवेक कक्षा नौ का छात्र था। पिता की जगह घर के कामकाज वही संभालता था। पिता से बेहद प्यार करता था। मगर, किसी को क्या पता था, जिसको वह प्यार करता है, वही एक दिन उसकी जान भी ले लेगा। परिवार के लोग पिता को कोस रहे थे। कह रहे थे कि बेटा तो सिर्फ समझा रहा था। उसकी जान क्यों ले ली? जीते जी अपने जिगर के टुकड़े को मौत की नींद सुला दिया। आरोपी पिता अपने साथ पिस्टल भी ले गया है। पुलिस ने घर से एक और लाइसेंस दोनाली भी बरामद की है। बेटे की मौत से मां का हाल बेहाल है। वह रोये जा रही थीं। उन्हें परिवार के लोग किसी तरह संभाल रहे हैं।

### आरोपी की तलाश में खंगाले कैमरे

पुलिस को आशंका था कि आरोपी धीरज ज्यादा दूर नहीं गया होगा। वह आसपास ही पुलिस की गतिविधि पर नजर रख रहा होगा। इसलिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। इसमें वो जाता हुआ नजर आया है। हालांकि उसके बारे में परिचितों से भी जानकारी जुटाई जा रही थी।

### 12 साल की सेना में नौकरी

एसीपी सदर ने बताया कि धीरज ने 12 साल तक सेना में नौकरी की है। मगर, शराब पीने की वजह से उसे अनफिट कर दिया गया। इसी साल उसे सेवानिवृत्त कर दिया गया। वह घर आ गया। आए दिन पत्नी से झगड़ा किया करता था। बड़ा बेटा होने के कारण विवेक पिता को समझाया करता था।

# बुआ के नवाब सिंह से थे अवैध संबंध

## कहा– 10 लाख का दिया लालच, इसलिए भतीजी के मेडिकल से किया मना

कन्नौज। आरोपी बुआ के नवाब सिंह यादव से कई सालों से अवैध संबंध थे। पूछताछ में बुआ ने पुलिस को बताया कि नवाब सिंह यादव को वह पिछले पांच–छह सालों से जानती है और उसके नवाब सिंह से शारीरिक संबंध भी थे। कन्नौज जिले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव के डिग्री कॉलेज में रात के वक्त अपने साथ नाबालिग भतीजी को ले जाने वाली आरोपी बुआ को पुलिस ने आखिर बुधवार को तिर्वा से गिरफ्तार कर लिया।

बुआ ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि घटना के बाद जब उसने खुद को भी इस मामले में फंसते देखा, तो गिरफ्तारी के डर से फरार हो गई थी। पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म के मामले में उसे भी आरोपी बनाया था। गिरफ्तारी के बाद उसे जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने अपने कार्यालय में पत्रकारवार्ता के दौरान बताया कि बीती 11 अगस्त की रात को एक किशोरी ने डायल 112 पर कॉल करके चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय में उसके साथ दुष्कर्म होने की सूचना दी थी।

### नौकरी दिलाने के नाम पर लाई थी बुआ

पुलिस मौके पर पहुंची, तो अड़गापुर निवासी नवाब सिंह यादव एक कमरे में पड़े बेड पर अंडरवियर में लेटा मिला था। पास ही कुर्सी पर पीड़िता की बुआ बैठी थी। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि बुआ उसे नौकरी दिलाने के नाम पर यहां लाई थी।

### नवाब सिंह ने किशोरी का जबरन टाप उतार दिया

बातचीत के दौरान बुआ टॉयलेट जाने के बाहाने भतीजी को नवाब सिंह के पास कमरे में छोड़कर चली गई। तभी नवाब सिंह ने किशोरी का जबरन टॉप उतार दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने नवाब को गिरफ्तार कर 12 अगस्त को जेल भेज दिया था।

### बुआ की भी प्रकरण में संलिप्तता पाई गई

इसके बाद पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया। किशोरी के कोर्ट में दिए बयान का अवलोकन किया गया तथा तकनीकी साक्ष्य संकलन से बुआ की भी प्रकरण में संलिप्तता पाई गई। इसी आधार पर उसे भी आरोपी बनाया गया, जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

### मेडिकल परीक्षण में बाधा डालने का आरोप

एसपी ने बताया कि 12 अगस्त को पीड़िता के साथ उसकी बुआ भी कोतवाली में मुकदमा लिखाने गई थी, जब पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, तो वह बाधा डालने लगी। कार्रवाई का पुलिस का सहयोग नहीं किया।

मां–बाप ने बुआ पर कई संगीन आरोप लगाए

अगले दिन जब किशोरी के माता–पिता आए तो उन्होंने बताया कि इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी बुआ ने उन्हें कोई सूचना नहीं दी थी। उन्होंने बुआ पर कई संगीन आरोप लगाए। जब पूछताछ के लिए उसे कोतवाली बुलाया गया तो वह फरार हो गई।

### बुआ के नवाब सिंह से अवैध संबंध

पुलिस ने बताया कि आरोपी बुआ के नवाब सिंह यादव से कई सालों से अवैध संबंध थे। पूछताछ में बुआ ने पुलिस को बताया कि नवाब सिंह यादव को वह पिछले पांच–छह सालों से जानती है और उसके नवाब सिंह से शारीरिक संबंध भी थे। 11 अगस्त को नवाब ने उसे कॉल करके कॉलेज में बुलाया था। वह लखनऊ में भतीजी के साथ थी, जहां से नवाब के कहने पर भतीजी को साथ लेकर कॉलेज पहुंची थी।

### नीलू ने दिया था 10 लाख रुपये का लालच

एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी बुआ ने बताया कि जब उनकी भतीजी का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा था, तो नवाब सिंह के छोटे भाई नीलू यादव ने मेडिकल न कराने और न्यायालय में बयान से पलटने पर 10 लाख रुपये देने का लालच दिया था।

### नीलू को भी अभियुक्त बना सकती है पुलिस

इसी वजह से वह भतीजी का मेडिकल परीक्षण कराने से मना कर रही थी। नीलू ने ही कुछ अन्य लोगों के भी नाम लेने को कहा था, जिससे विवेचना प्रभावित हो सके। इस आधार पर पुलिस पूर्व ब्लॉक प्रमुख नीलू यादव को भी अभियुक्त बना सकती है।

### बुआ के मामले में अगली सुनवा तीन सितंबर को

कोर्ट ने आरोपी बुआ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अभियोजन पक्ष के शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि बुआ के मामले में अगली सुनवाई तीन सितंबर को होगी। वहीं, मुख्य आरोपी नवाब सिंह यादव की रिमांड पर अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी, इसमें न्यायिक हिरासत को 14 दिन के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

सात लाख लेकर छोड़े स्मैक तस्कर

# एसपी ने थाने में मारा छापा तो दीवार फांदकर भागा इंस्पेक्टर

## सिपाहियों से वसूली कराता था इंस्पेक्टर रामसेवक

बरेली। फरीदपुर थाने के इंस्पेक्टर रामसेवक ने सात लाख रुपये रिश्वत लेकर दो स्मैक तस्करों को छोड़ दिया। इसकी शिकायत मिलने पर एसपी ने बृहस्पतिवार को थाने में छापा मारा तो बड़ा खुलासा हुआ। इंस्पेक्टर तो दीवार फांदकर भाग गया, लेकिन उसके कमरे से नौ लाख से ज्यादा रुपये बरामद हुए। बरेली के फरीदपुर थाने का इंस्पेक्टर रामसेवक हर प्रार्थना पत्र पर सिपाहियों से वसूली करा रहा था। थाने के समानांतर इंस्पेक्टर अपना एक अलग थाना चलाता था।

खनन, नशा, जुआ–सट्टा सब में इंस्पेक्टर का हिस्सा तय होता था। स्मैक तस्करों को छोड़ने के एवज में ली गई सात लाख रुपये रिश्वत से इंस्पेक्टर के काले कारनामे सामने आए। थाने के आवास में इंस्पेक्टर जिस बिस्तर पर सो रहा था, वहीं रिश्वत के सात लाख रुपये रखे मिले।

एसपी दक्षिणी मानुष पारीक कार्रवाई करने पहुंचे तो वह सीयूजी मोबाइल फोन समेत फरार हो गया। इंस्पेक्टर रामसेवक के खिलाफ आई शिकायत पर कार्रवाई करने जब एसपी और सीओ पहुंचे तो रामसेवक को भनक लग चुकी थी कि कुछ गड़बड़ है। वह आवास की कुंडी लगाकर फरार हो गया।

भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने से पहले एसपी दक्षिणी की मौजूदगी में सीओ ने इंस्पेक्टर के आवास की तलाशी कराई। वीडियोग्राफी के बीच तलाशी में तख्त पर बिछे गद्दे के नीचे गुलाबी पॉलिथीन में पांच–पांच सौ के नोटों की गड्डियां बरामद हुई। कुल सात लाख रुपये मिले। एक स्लेटी रंग के ब्रीफकेस में भी 2,84,900 रुपये बरामद हुए। इंस्पेक्टर के आवास में बने कमरों पर सील लगा दी। इसकी चाबी हेड मोहर्रिर राम बहादुर की सुपुर्दगी में दी गई है।

### खास स्टाफ से कराता था वसूली

स्मैक तस्करों से वसूली की बड़ी कमाई के लिए खास स्टाफ को इंस्पेक्टर रामसेवक ने अलग से जिम्मेदारी दी गई थी। थाने में दिनभर दलालों का जमावाड़ा लगा रहता है। सिपाही थाने में ही पंचायत लगाकर आरोपियों से वसूली कर पीड़ित को धमकाकर फैसला कराते थे। थाने में आने वाले हर प्रार्थनापत्र की जांच बीट सिपाहियों से कराई जाती थी। इससे हल्का दरोगा भी इंस्पेक्टर से नाराज रहते थे। कुंठित दरोगा अपनी पीड़ा कुछ लोगों से बयां भी करते कि इंस्पेक्टर हर शिकायत पर सिपाहियों से वसूली कराता है। इंस्पेक्टर के फरार होने के बाद नगर के लोगों में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्मैक तस्करों की बात करें तो कुछ समय से फरीदपुर थाना प्रभारी पर उन्हें संरक्षण देने का आरोप लग रहा था। पढ़ेरा, बेहरा, मोहनपुर, मोहल्ला ऊंचा, भूरे खां गौंटिया, मोहल्ला मिर्धान के कुछ लोग लगातार स्मैक तस्करी करते हैं। फरीदपुर पुलिस को जानकारी के बाद भी उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती थी। सूत्रों के अनुसार जिन बीट सिपाहियों को स्मैक तस्करों से महीना वसूली की जिम्मेदारी दी जाती थी, उनकी बाकी शिकायतें और लापरवाही भी दरकिनार की जाती थी।

### इस तरह चल रही थी वसूली

चर्चा है कि इंस्पेक्टर रामसेवक के राज में कई और भी गलत धंधे चल रहे थे। रात में खनन भी पुलिस संरक्षण में होता था। बिना अनुमति खनन करने के बदले फरीदपुर इंस्पेक्टर दस हजार रुपये प्रति रात के हिसाब से रिश्वत लेता था। इस रकम में भी नीचे का स्टाफ बंटवारा करता था। फरीदपुर से गुजरने वाली जयपुर–दिल्ली वाली डबल डेकर बसों से थाने का महीना बंधा बताया जा रहा है। इन बसों से स्मैक, अफीम, गांजा तक की सप्लाई की जाती है। दो बार फरीदपुर पुलिस ने भी इन बसों से गांजा जाते हुए पकड़ा। नगर में कई जगह ऑनलाइन सट्टा लगता है। मोहल्ला परा समेत नगर में कुछ जगह बड़ा जुआ होता है, जिसमें बड़े जुआरी दूर दूर से जुआ खेलने आते हैं। यह भी पुलिस की जानकारी में होता है।

**इंस्पेक्टर के कमरे से 9,96,000 रुपये बरामद किए गए**

**थाने के स्टाफ ने दी सूचना**

सूत्रों के मुताबिक इंस्पेक्टर की कारस्तानी की जानकारी थाने के ही किसी कर्मचारी ने एसएसपी अनुराग आर्य को दे दी। उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह पहले सीओ गौरव लसह और फिर एसपी दक्षिणी मानुष पारीक को थाने भेजा। इंस्पेक्टर के कार्यालय पर अधिकारी अपनी टीम के साथ तलाशी लेने लगे तो वह मौका पाकर एक दलाल के साथ थाने से फरार हो गया। एसपी दक्षिणी ने इंस्पेक्टर कार्यालय के ठीक पीछे बने आवास की तलाशी ली। यहां एक जगह सात लाख तो दूसरी जगह से करीब 2.96 लाख रुपये बरामद किए गए। सीओ ने भ्रष्टाचार संबंधी धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते हैं कि इंस्पेक्टर सरकारी मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि शिकायत पर तलाशी ली गई तो फरीदपुर इंस्पेक्टर के कमरे से करीब 9,96,000 रुपये बरामद किए गए हैं। इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई है। इसके अलावा भी इस घटनाक्रम में थाने के किसी कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध मिली तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

# यूपी में चली तबादला एक्सप्रेस

## चार पीसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण, 17 अपर पुलिस अधीक्षक बदले

लखनऊ। शासन ने गुरुवार को चार पीसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण कर दिए। अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) सुरेंद्र सिंह द्वितीय को इसी पद पर चंदौली में तैनाती दी गई है। सहायक राज्य संपत्ति अधिकारी बृजेश कुमार त्रिपाठी को एडीएम (वित्त/राजस्व) अमरोहा, प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी एडीएम (प्रशासन) रायबरेली को एडीएम (न्यायिक) चंदौली और सिद्धार्थ को नगर मजिस्ट्रेट लखनऊ से एडीएम (प्रशासन) रायबरेली बनाया गया है।

**17 अपर पुलिस अधीक्षक बदले**

शासन ने 17 अपर पुलिस अधीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले हैं। इनमें 13 अधिकारी ऐसे हैं, जिन्हें बीते दिनों पुलिस उपाधीक्षक से अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रोन्नति प्रदान की गई थी। पुलिस कमिश्नरेट में तैनात रहे अधिकतर अधिकारियों को प्रोन्नति के बाद वहीं बनाए रखा गया है।

*पंकज कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त, लखनऊ कमिश्नरेट अपर पुलिस उपायुक्त, लखनऊ कमिश्नरेट।*

*लाल प्रताप सिंह पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ।*

*अरविंद कुमार वर्मा (प्रथम) पुलिस उपाधीक्षक, जौनपुर अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), जौनपुर।*

*अंशुमान मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक, कुंभ मेला प्रयागराज अपर पुलिस अधीक्षिक, कुंभ मेला प्रयागराज।*

*अब्दुल कादिर पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ।*

*अर्चना सिंह सहायक पुलिस आयुक्त, कानपुर कमिश्नरेट अपर पुलिस उपायुक्त, कानपुर कमिश्नरेट।*

*पूनम सिरोही सहायक पुलिस आयुक्त, आगरा कमिश्नरेट अपर पुलिस उपायुक्त, आगरा कमिश्नरेट।*

*अतुल कुमार यादव पुलिस उपाधीक्षक, साइबर क्राइम थाना प्रयागराज संबद्ध यूपी एसआइएसएफ अपर पुलिस अधीक्षक, यूपी एसआइएसएफ।*

*महेश कुमारसहायक पुलिस आयुक्त, कानपुर कमिश्नरेट अपर पुलिस उपायुक्त, कानपुर कमिश्नरेट।*

*नितिन कुमार सिंह सहायक सेनानायक, 49वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्धनगर उपसेनानायक, 49वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्धनगर।*

*सुमित शुक्ला सहायक पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट अपर पुलिस उपायुक्त, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट।*

*सुधीर कुमार सहायक पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट अपर पुलिस उपायुक्त, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट।*

*बृजेश कुमार गौतम अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), जौनपुर अपर पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) एएनटीएफ।*

*कमलेश बहादुर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मेरठ अपर पुलिस अधीक्षक, यूपीपीसीएल (दक्षिणांचल) आगरा।*

*डा.राकेश कुमार मिश्रा अपर पुलिस अधीक्षक (आपराध) बुलंदशहर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मेरठ।*

*सर्वेश कुमार मिश्रा (प्रथम) अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) फिरोजाबाद उपसेनानायक 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर।*

*रवि शंकर प्रसाद पुलिस उपाधीक्षक अलीगढ़ अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) फिरोजाबाद।*

# पीड़िता के पिता ने बताई वारदात की रात की दर्दनाक कहानी

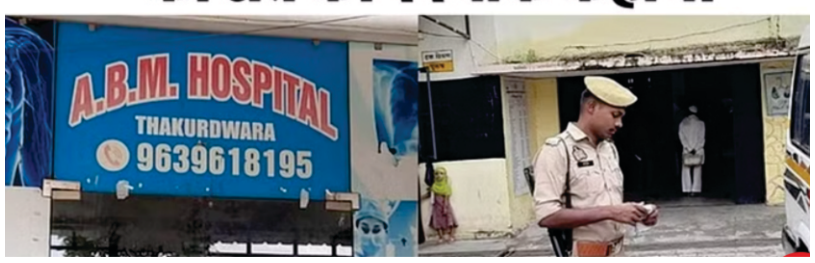


## नर्स से दरिन्दगी मामले में नया खुलासा: नशीला इंजेक्शन लगाकर दुष्कर्म, होश आने पर विरोध किया तो.., लगा सदमा

मुरादाबाद।शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने पीड़िता की सुरक्षा और इलाज के स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी है। नर्स से दुष्कर्म का मामला शासन तक पहुंचने पर प्रमुख सचिव ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। ठाकुरद्वारा के एबीएम अस्पताल में नर्स के साथ हुई दरिंदगी मामले में पीड़िता के पिता ने नया खुलासा किया है। पिता का आरोप है कि डॉ. शाहनवाज ने बंधक बनाने के बाद उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म करने से पहले उसे नशीला इंजेक्शन लगाया था। पीड़िता ने घर पहुंचकर परिवार को इस मामले की जानकारी दी थी। पीड़िता के बेहोश होने पर आरोपी ने दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने होश में आने पर विरोध किया तो आरोपी ने दोबारा दुष्कर्म किया था। पीड़िता के पिता का कहना है कि अब भी बेटी की हालत स्थिर नहीं है।

दुष्कर्म पीड़िता नर्स की हालत बिगड़ने पर गुरुवार को उसे जिला अस्तपाल में भर्ती कराया गया। अब मनोचिकित्सक उसकी काउंसलिंग करेंगे। इस घटना का शासन ने भी संज्ञान लिया है। शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने पीड़िता की सुरक्षा और इलाज के स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी है। नर्स से दुष्कर्म का मामला शासन तक पहुंचने पर प्रमुख सचिव ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। बुधवार रात दुष्कर्म पीड़िता की हालत बिगड़ने पर उसे काशीपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने पैनिक अटैक की बात कही थी। हालत में सुधार होने पर परिजन घर ले आए थे।

गुरुवार सुबह फिर से पीड़िता की हालत बिगड़ गई। पुलिस को जानकारी देकर परिजन पीड़िता को ठाकुरद्वारा के अस्पताल ले गए। सीओ ठाकुरद्वारा और थाना प्रभारी भी फोर्स लेकर अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद युवती को रेफर कर दिया था। बृहस्पतिवार दोपहर पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसएसपी सतपाल अंतिल के आदेश पर पीड़िता की सुरक्षा में पुलिस तैनात कर दी है। किसी भी अनजान व्यक्ति को उससे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

डॉक्टरों की जांच में पता चला कि तनाव के चलते पीड़िता की हालत खराब हुई है। डीएम अनुज सिंह ने बताया कि मनोचिकित्सक से पीड़िता की काउंसलिंग कराई जाएगी। डॉक्टरों की टीम उसकी देखरेख कर रही है। पीड़िता के पिता ने बताया कि बेटी अभी तक दरिंदगी की घटना को नहीं भूल पाई है। उसने खाना–पीना भी बंद कर दिया है। इलाज से कुछ सुधार हुआ है।

आरोपी के परिवार का एक मदरसा सरकारी जमीन पर, होगी कार्रवाई

दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार डॉक्टर शहनवाज का परिवार तीन मदरसे चलाता है। डीएम का कहना है कि जांच में एक मदरसे की जमीन सरकारी मिली है। इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक स्तर की जांच की वह खुद मॉनीटरिंग कर रहे हैं। डीएम ने मामले को लेकर एसएसपी से भी बातचीत की।

126 आशा वर्कर पर गिरेगी गाज

डीएम अनुज सिंह ने बताया कि दुष्कर्म के मामले में एक आशा वर्कर भी आरोपी है। वह अस्पताल में नर्स का काम करती थी। जिले में अन्य आशा वर्करों पर भी कई आरोप लगे हैं। दो दिनों में जांच कर लगभग 126 आशा वर्करों को चिह्नित किया गया है। इन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# प्यार का 'खेल' और फिर मौत: युवती ने खेला आनलाइन गेम, दोस्ती कर किया ब्लैकमेल, युवक ने दी जान

बरेली। बरेली के एक युवक को ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान युवती ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। वह उसे ब्लैकमेल करने लगी। युवती ने लाखों रुपये हड़प लिए। जब युवक ने और रुपये देने से इनकार किया तो उसे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी दी। इससे अवसाद में आए युवक ने आत्महत्या कर ली। ऑनलाइन गेम के जरिये राजस्थान की युवती और उसके दोस्त ने मिलकर बरेली के प्रेमनगर क्षेत्र के युवक को प्रेमजाल में फंसा लिया। उसे ब्लैकमेल कर लाखों रुपये ले लिए। ब्लैकमेलिंग से परेशान युवक ने आत्महत्या कर ली। एसएसपी के आदेश पर प्रेमनगर थाने में मां ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।शास्त्रीनगर निवासी प्रतिमा सिंह ने बताया कि एक साल पहले उनके 22 वर्षीय बेटे दीपांश की दोस्ती ऑनलाइन गेम के जरिये राजस्थान में पाली की निवासी लीसा कंसारा से हुई थी। दोनों फोन पर बातें करते थे। लीसा ने दीपांश को प्रेमजाल में फंसाकर साढ़े तीन लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए।

### रुपये न देने पर दी थी ये धमकी

लीसा ने दीपांश से और रुपये मांगे। रुपये नहीं देने पर दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी दी। इससे दीपांश अवसाद में रहने लगा। काफी पूछने पर दीपांश ने बताया कि लीसा ब्लैकमेल कर रुपये वसूलती है। अवसाद में आकर दीपांश ने 31 जुलाई को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी शिकायत पर प्रेमनगर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम तो

कराया पर रिपोर्ट लिखने की बात टाल दी। प्रतिमा ने बताया कि लीसा, लीसा के दोस्त मुकुल और आयुष ने उनके बेटे को आत्महत्या के लिए मजबूर किया था। सुनवाई न होने पर मंगलवार को प्रतिमा सिंह ने एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

प्रतिमा सिंह ने बताया कि उनके पति आयुर्वेदिक अस्पताल में कर्मचारी थे। उनकी मौत के बाद उन्हें नौकरी मिल गई। दीपांश उनका इकलौता बेटा था। उससे छोटी एक बेटी है। दोनों बच्चों को वह शहर में किराये पर रहकर पढ़ा रही थीं। बेटे ने बीए और कंप्यूटर का डिप्लोमा कर रखा था। वह नौकरी का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान गिरोह के चक्कर में आ गया। बताया कि इन लोगों ने दीपांश को पबजी और बीडीजी गेम की लत लगा दी। उसी में फंसकर उसकी जिंदगी तबाह हो गई। उनके बेटे की जान चली गई और उनके परिवार की बचत भी गिरोह ने झपट ली। वह चाहती हैं कि किसी और परिवार के बच्चे ऐसे गिरोह या गेम के चक्कर में जान न गंवाए।

## यूपी सिपाही भर्ती

# पहली पाली की परीक्षा समाप्त

## अभ्यर्थी बोले– जनरल स्टडीज और रीजनिंग रही थोड़ी कठिन

**:लखनऊ,संवाददाता।** गोमती नगर में यूपी डीजीपी ने खुद भी परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और कहा कि एसटीएफ–इंटेलिजेंस समेत सभी एजेंसियां परीक्षा सकुशल संपन्न कराने में जुटी हैं। पेपर लीक को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जा रही है। कहीं से भी गड़बड़ी की सूचना नहीं है। यूपी पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रदेश के अलग–अलग केंद्रों पर आयोजित परीक्षा की पहली पाली समाप्त हो गई। लखनऊ में 81 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए 39062 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें से 10947 परीक्षार्थियों परीक्षा नहीं दी। 81 केंद्रों पर पहली पाली में 28115 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस दौरान प्रशासन परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार खुद लखनऊ के गोमती नगर स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में परीक्षा और सुरक्षा की तैयारी का जायजा लेने पहुंचे।

केंद्र का जायजा लेकर निकले डीजीपी ने कहा कि पूरी यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में लगी है। किसी भी विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी परीक्षा गड़बड़ी में लिप्त होगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसटीएफ और इंटेलिजेंस समेत सभी एजेंसियां परीक्षा सकुशल संपन्न कराने में जुटी हैं। पेपर लीक को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जा रही है। कहीं से किसी तरह की गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है।

हरदोई से लखनऊ परीक्षा देने आईं काजल पांडेय ने बताया कि पिछली बार के मुकाबले इस बार गणित और हिंदी सामान्य थी जबकि जनरल स्टडीज और रीजनिंग थोड़ी कठिन थी। औरैया से लखनऊ परीक्षा देने आये शिवम कुशवाहा ने बताया कि जीके के सवाल कठिन थे। जिसने भी रेगुलर पढ़ाई नहीं की होगी उसको बहुत ज्यादा दिक्कत हुई होगी। शिवम ने गणित के भी कुछ सवाल कठिन बताए। बातचीत में अभ्यर्थियों ने कहा कि इस बार परीक्षा केंद्रों भीतर भी कड़ी निगरानी है। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश से पहले उनकी तलाशी भी सख्ती से हुई है। इसके साथ ही एडमिट कार्ड का मिलान करते हुए आईडी से फोटो का भी मिलान किया गया है।

### 48 लाख से ज्यादा आवेदन

- भर्ती परीक्षा में 48,17,441 अभ्यर्थियों ने किया है आवेदन
- 67 जिलों में 1174 केंद्रों पर होगी लिखित परीक्षा
- 9.50 लाख अभ्यर्थी प्रत्येक दिन परीक्षा में होंगे शामिल
- 2 घंटे की परीक्षा, 5 मिनट अतिरिक्त भी मिलेंगे
- 2300 मजिस्ट्रेट, 25 हजार पुलिसकर्मी किए गए तैनात
- 6.50 लाख से अधिक अभ्यर्थी दूसरे प्रदेशों से आएंगे

### परीक्षा देकर निकले अभ्यूथयों ने बताए अपने अनुभव:

लखनऊ सहित अलग–अलग जिलों में परीक्षा देने आए अभ्यिर्थियों की लाइन केंद्रों के बाहर लग गई। करीब सवा आठ बजे चेकिंग करने के बाद उन्हें अंदर प्रवेश करने की अनुमति दे दी गई। ई–केवाईसी और बॉयोमैट्रिक सत्यापन के बिना किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने नहीं दिया गया। करीब साढ़े नौ बजे प्रवेश रोक दिया गया और 10 बजे परीक्षा शुरू हो गई।

### मुख्यमंत्री योगी खुद कर रहे सुरक्षा की समीक्षा

उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष डीजी राजीव कृष्णा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और निर्देश पर शुक्रवार से भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा की समीक्षा मुख्यमंत्री खुद कर रहे हैं। सभी 67 जिलों में प्रश्न पत्र आ चुके हैं, जिन्हें ईवीएम की तर्ज पर पुख्ता सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा गया है। अभ्यर्थियों के आवागमन के लिए प्रदेश सरकार ने बसों में मुफ्त यात्रा का इंतजाम किया है तो रेलवे की मदद से ट्रेनों में अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त बोगियां लगाई गयी हैं। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए 2300 मजिस्ट्रेट और 25 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिन अभ्यर्थियों के आधार कार्ड की जानकारी उनके दस्तावेजों से मेल नहीं खा रही है, उन्हें करीब ढाई घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पर आकर अपना ई–केवाईसी कराना होगा। परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पूर्व गेट बंद कर दिए जाएंगे और किसी भी सूरत में प्रवेश नहीं मिलेगा।

परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। सभी केंद्रों में एक सुरक्षा अधिकारी भी तैनात रहेगा। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी केंद्रों का लगातार भ्रमण करेंगे। परीक्षा केंद्रों के साथ रेलवे, मेट्रो स्टेशन, बस, टैक्सी स्टैंड, होटल, रेस्टोरेंट पर भीड़ प्रबंधन की भी व्यवस्था की गयी है।

### अयोध्या: पहली पाली में 1265 अभ्यूथयों ने छोड़ी परीक्षा

पुलिस भर्ती परीक्षा की पहली पाली में 1265 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। जिले में इस परीक्षा के लिए 12 केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से 12 बजे तक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। अब दूसरी पाली के लिए केंद्रों पर अभ्यर्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है। पहली पाली में कुल 4632 अभ्यर्थियों को शामिल होना था। इसमें से 3367 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए इस तरह 72.09 फ़ीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है। इस बीच डीएम चंद्र विजय सिंह और एसएसपी राजकरण नय्यर ने जीआईसी समेत अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। डीएम ने बताया कि पहली पाली की परीक्षा पारदर्शी तरीके से शांतिपूर्वक हो गई है। दूसरी पाली के लिए केंद्रों पर अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। नोडल अधिकारी एडीएम एफआर महेंद्र सिंह और एसपी सिटी मधुबन सिंह सेक्टर मजिस्ट्रेट की मदद से सभी केंद्रों की निगरानी कर रहे हैं। परीक्षा के दौरान कहीं से किसी तरह की गड़बड़ी की कोई शिकायत नहीं मिली है।

दूसरी पाली की परीक्षा के लिए पहुंचे अभ्यर्थी, एसपी–डीएम ने खुद किया निरीक्षण

### गोंडा: पहली पाली में 1564 अभ्यूथयों ने छोड़ी परीक्षा

गोंडा शहर के 13 केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन हुआ। कड़ी निगरानी में प्रथम पाली में 5232 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था जिसमें में 3668 अभ्यर्थी शामिल हुए। 1564 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। पहली पाली में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा आयोजित हुई थी जिसमें सुबह आठ बजे से ही अभ्यर्थियों का प्रवेश केंद्रों में हुआ और 9.30 बजे तक प्रवेश द्वार बंद हो गए। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने श्रीलाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज सहित शहर के अन्य केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। पुलिस कप्तान विनीत जायसवाल ने भी अपनी टीम के साथ शहर के परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा इंतजाम और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का जायजा लिया।

### सुल्तानपुर : आसान प्रश्नपत्र मिला तो चहके पुलिस भर्ती के अभ्यर्थी

पुलिस भर्ती परीक्षा की पहली पाली में आसान पेपर मिला तो अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे। पेपर देने के बाद जैसे ही वे केंद्र से बाहर आए तो प्रश्नपत्र को लेकर एक–दूसरे से चर्चा करते समय काफी उत्साहित दिखे। जीजीआईसी सुल्तानपुर में परीक्षा देकर निकलीं अंबेडकरनगर की नीलू वर्मा ने बताया कि पिछली बार भी उन्होंने पुलिस भर्ती परीक्षा दी थी। उस बार की अपेक्षा अबकी पेपर ज्यादा आसान था। कुशीनगर के धर्मसेन ने बताया कि पेपर बहुत बढ़िया हुआ। उन्होंने प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया और बताया कि गोरखपुर से उन्हें सुल्तानपुर के लिए सीधे बस मिल गई। किराया भी नहीं देना पड़ा। देवरिया के विजय ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर व्यवस्थाएं चाकचौबंद रही। परीक्षा देने में किसी तरह की समस्या नहीं हुई। अयोध्या की सुषमा ने बताया कि पेपर बहुत सरल था। बहुत आसानी से उन्होंने सारे सवाल हल कर लिए। परीक्षा देने के लिए जब वह सुल्तानपुर आईं तो उन्हें किसी तरह की दिक्कत या परेशानी नहीं हुई।

### बहराइच: एसपी व डीएम के साथ भ्रमणशील रहे अधिकारी

पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती के लिए परीक्षाएं 23 अगस्त से प्रारंभ हो गईं। बहराइच में परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला भ्रमणशील रहीं। इस दौरान उनके साथ अन्य अधिकारी भी थे। डीएम व एसपी ने परीक्षा केन्द्र राजकीय पॉलीटेक्निक मोहम्मदपुर (आईटीआई कैम्पस), नानपारा रोड बहराइच, राजकीय पॉलीटेक्निक आसाम चौराहा व स्व. ठाकुर हुकुम सिंह किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

# सीएम योगी ने लिया उपचुनाव की तैयारियों का जायजा

### बोले– वोट देने से कोई न हो वंचित, घर–घर करें सम्पर्क

गाजियाबाद। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता वोट देने से वंचित न रहे इसके लिए घर घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें। सरकार द्वारा दी जा रही लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया जाए। विधानसभा की सदर सीट पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों का जायजा लेने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद पहुंचे।

लोहियानगर स्थित हिंदी भवन में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक करते हुए उन्होंने सभी प्रकोष्ठों के संयोजको और अध्यक्षों से तैयारियों का माइक्रो प्लान जाना। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता वोट देने से वंचित न रहे इसके लिए घर घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें।

सरकार द्वारा दी जा रही लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया जाए। संगठन जितना मजबूत होगा, जीत उतनी ही पक्की होगी। जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों को एमएसएमई से जोड़ा जाए। व्यापारी बीमा के बारे में बताया जाए। एक–एक पदाधिकारी से मुख्यमंत्री ने तैयारियों के बारे जानकारी ली।

### बैठक दोपहर 12 से दो बजे तक चली

बैठक में सांसद अतुल गर्ग, राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, मंत्री कपिल देव, ब्रजेश सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह, महापौर सुनीता दयाल, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा व सभी विधायक, सभी प्रकोष्ठों के संयोजक समेत अन्य मौजूद रहे। अचानक बदला मुख्यमंत्री का कार्यक्रम, तीन की जगह 12 बजे ही बैठक कर गए योगी

महानगर संगठन की ओर से गुरुवार को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का समय तीन बजे जारी किया गया था। शुक्रवार को अचानक समय बदल दिया गया। 12 बजे से कार्यक्रम रख दिया गया। मुख्यमंत्री के आगमन पर रोका गया ट्रैफिक, राजनगर एक्सटेंशन, लोहियानगर, हापुड़ रोड पर घंटों जाम लगा रहा। दो बजे स्कूलों की छुट्टी होने पर बच्चे जाम में फंसे रहे।

# बूथ संभालेंगे 'संगी–साथी', हताश होकर भाग चुका है भाजपा कार्यकर्ता

## उपचुनाव में आरएसएस की तैयारियों को लेकर अखिलेश का तंज

### सीएम योगी, भाजपा संगठन और आरएसएस के बीच हुई बैठक की ओर अखिलेश का इशारा कहा, चुनाव में हार के बाद भाजपाई गुटों ने आपस में विश्वास खो दिया है

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। लोकसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आगामी विधानसभा उपचुनाव को लेकर प्रदेश सरकार, भाजपा संगठन के साथ आरएसएस के भी सक्रिय होने की तैयारी के बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने संघ का नाम लिये बिना कहा कि अब जब भाजपा के 'संगी–साथी' कह रहे हैं कि वो बूथ पर जाकर व्यवस्था संभालेंगे तो इसका मतलब साफ है कि लोकसभा चुनाव में हुई ऐतिहासिक पराजय को देखते हुए वह मानकर चल रहे हैं कि भाजपा का कार्यकर्ता हताश होकर बूथ छोड़कर भाग चुका है।

अखिलेश यादव का इशारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा संगठन और आरएसएस के बीच चुनाव की तैयारियों को लेकर बुधवार को हुई बैठक की ओर था।

एक्स पर सपा प्रमुख ने कहा कि चुनाव में हार के बाद भाजपाई गुटों ने आपस में विश्वास खो दिया है। इसका एक और पहलू यह भी है कि भाजपा का 'संगी–साथी' पक्ष ये दिखाना चाहता है कि हार का कारण वो नहीं था, वो तो अभी भी शक्तिशाली है, कमजोर तो भाजपा हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांटने की राजनीति करने वाले लोग खुद बंट गये हैं। आरएसएस की सपा के पिछड़ा, दलित , अल्पसंख्यक (पीडीए) के जवाब में हिंदुत्व कार्ड खेलने की तैयारी पर भी सपा अध्यक्ष ने निशाना साधा।

'समाज का 90 प्रतिशत पीडीए समाज जाग उठा है'

उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी चाणक्य नीति के तहत जिन 'पन्ना प्रमुखों' की बात करती थी, अब क्या वो इतिहास बन गये? समाज का 90 प्रतिशत पीडीए समाज जाग उठा है। भाजपा कार्यकर्ता पीडीए समाज के सामने आकर क्यों उनके विरोधी होने का ठप्पा खुद पर लगाएगा? आखिरकार उन्हें भी तो उसी 90 प्रतिशत समाज के बीच ही रहना है। भूतपूर्व भाजपाई पन्ना प्रमुख ये सच्चाई भी जान चुके हैं कि भाजपा में किसी की कोई सुनवाई नहीं है। इसीलिए वो ऐसे उन अन्य दलों में ठिकाना ढूंढ रहे हैं, जो सच में जनता के साथ हैं।

जनता के सवाल कर रहे इंतजार

अब जब ये भाजपाई 'संगी–साथी' गांव–गलियों में जाएंगे तो जनता के सवालों की लंबी सूची उनका इंतजार कर रही होगी। जनता 'संगी–साथी' से किसानों पर गाड़ी चढ़ाने, संविधान की समीक्षा, 69 हजार शिक्षक भर्ती में उनके आरक्षण का हक मारने, लेटरल एंट्री, अग्निवीर सैन्य भर्ती, पुलिस भर्ती, नीट व अन्य पेपर लीक होने जैसे कई सवाल पूछेगी।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

## पूर्वोत्तर रेलवे की कई ट्रेन देरी से चलेंगी

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे ने अभ्यर्थियों को राहत पहुंचाने के लिए जहां कई ट्रेनों को देरी से चलाने का निर्णय लिया है, वहीं कुछ ट्रेनों को रास्ते में रोक कर चलाया जाएगा। साथ ही पहले से चल रही स्पेशल ट्रेन का विस्तार किया गया है। यह जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

**देरी से चलने वाली ट्रेनें**

- 05490 डालीगंज-सीतापुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को डालीगंज से 11.15 वजे के स्थान पर 12.45 वजे रवाना होगी।
- 05489 सीतापुर-लखनऊ जं. अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को सीतापुर स्टेशन से 17.00 वजे के स्थान पर 17.45 वजे चलेगी। 05085 मैलानी-डालीगंज अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त स्टेशन से 10.50 वजे के स्थान पर 11.40 वजे चलेगी। 15007 वाराणसी सिटी-लखनऊ जं. कृषक एक्सप्रेस 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को वाराणसी सिटी से 17.00 वजे के स्थान पर 18.00 वजे चलेगी। 14863 वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेसस 23, 25, 30 अगस्त, 2024 को वाराणसी सिटी से 20 मिनट कर रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी। फलस्वरूप यह गाड़ी वाराणसी सिटी से 17.55 वजे के स्थान पर 18.15 वजे प्रस्थान करेगी। 14853 वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस 24 एवं 31 अगस्त को वाराणसी सिटी से 16.50 वजे के स्थान पर 17.50 वजे चलेगी। 15081 गोरखपुर-गोमती नगर एक्सप्रेस 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को गोरखपुर से 12.20 वजे के स्थान पर 13.25 वजे रवाना होगी।

**रास्ते में रोक कर चलने वाली ट्रेनें**

23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को चलने वाली 05380 कासगंज-लखनऊ जं. अनारक्षित स्पेशल ट्रेन कासगंज से फर्रूखाबाद के मध्य 30 मिनट नियंत्रित कर फर्रूखाबाद से 17.30 वजे के स्थान पर 18.00 वजे रवाना होगी। लखनऊ जं. से 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को चलने वाली 05379 लखनऊ जं.-कासगंज अनारक्षित स्पेशल ट्रेन रावतपुर से फर्रूखाबाद के मध्य 65 मिनट नियंत्रित कर फर्रूखाबाद से 11.55 वजे के स्थान पर 13.00 वजे चलायी जाएगी।

**स्पेशल ट्रेन का विस्तार**

05127 गोरखपुर-वादशाह नगर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 30 एवं 31 अगस्त को दो फेरों के लिए और चलेगी। - 05128 वादशाह नगर-गोरखपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 31 अगस्त व एक सितम्वर को दो फेरों के लिए और चलेगी।

# आधा दर्जन ट्रेन में अतिरिक्त कोच

लखनऊ [redacted] पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन ने वृहस्पतिवार को तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। परीक्षा में उमड़ने वाली अभ्यर्थियों की भीड़ को लेकर रेलवे ने आधा दर्जन ट्रेनों में विभिन्न तिथियों में जनरल के दो-दो अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रवंधक रेखा शर्मा ने वताया कि ट्रेनों में अतिरिक्त कोचों को लगाने के वाद पुलिस भर्ती परीक्षा में आने वाले अभ्यर्थियों को सहूलियत मिलेगी। उन्होंने वताया कि 14308 वरेली-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस में 29 से 31 अगस्त तक, 14307 प्रयागराज संगम-वरेली एक्सप्रेस में एक से तीन सितम्वर तक, 04383 प्रयागराज संगम-जौनपुर जं. पैसेंजर 30 अगस्त से एक सितम्वर तक, 04384 जौनपुर जं.-प्रयागराज संगम पैसेंजर में 30 अगस्त से एक सितम्वर तक और 14231 मनवर संगम एक्सप्रेस में 31 अगस्त से दो सितम्वर तक, 14232 मनवर संगम एक्सप्रेस में 31 अगस्त से दो सितम्वर तक उपरोक्त सभी ट्रेनों में दो-दो जनरल कोचों को लगाये जाने से अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।

**दो ट्रेनें देरी से चलेंगी :** उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सचिन्द्र मोहन शर्मा के निर्देश पर अभ्यर्थियों को लेकर दो स्पेशल ट्रेनों को देरी से चलाने का निर्णय लिया गया है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रवंधक रेखा शर्मा ने वताया कि 04154 कानपुर-रायवरेली स्पेशल ट्रेन 23, 24, 25, 30, 31 अगस्त को यह ट्रेन कानपुर से निर्धारित समय 16.30 वजे के स्थान पर 17.45 वजे रवाना होगी। उन्होंने वताया कि 04298 कानपुर-लखनऊ स्पेशल ट्रेन 23, 24, 25, 30, 31 अगस्त को यह ट्रेन कानपुर से निर्धारित समय 12.20 वजे के स्थान पर 15 वजे चलायी जाएगी।

## चारवाग रेलवे स्टेशन से तीन परीक्षा स्पेशल ट्रेनें

लखनऊ [redacted] पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन ने अभ्यर्थियों को राहत पहुंचाने के लिए चारवाग रेलवे स्टेशन से तीन परीक्षा स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। इतना ही नहीं मंडल के वाराणसी रेलवे स्टेशन से भी तीन परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। आधा दर्जन स्पेशल ट्रेनों के चलने से हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी। उत्तर रेलवे मुख्यालय ने परीक्षा स्पेशल ट्रेनों को चलाने की मंजूरी दे दी हैं। वाराणसी से अमेठी के लिए दो और वलिया के लिए परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलायी जाएंगी। यह जानकारी वृहस्पतिवार को उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रवंधक रेखा शर्मा ने दी।

**लखनऊ-मुरादाबाद परीक्षा स्पेशल ट्रेन**

लखनऊ। लखनऊ-मुरादावाद परीक्षा स्पेशल ट्रेन (04269) का संचालन 23 से 25 अगस्त तथा 30 व 31 अगस्त को किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इन्हीं तिथियों में पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन लखनऊ में किया गया है। चारवाग रेलवे स्टेशन से परीक्षा स्पेशल ट्रेन 20.30 वजे रवाना होकर मुरादावाद दूसरे दिन तड़के 04.30 वजे पहुंचेगी। स्पेशल ट्रेन का ठहराव हरदोई, शाहजहांपुर व वरेली स्टेशनों पर दिया गया है।

**लखनऊ-अयोध्या कैंट वाराणसी स्पेशल ट्रेन**

लखनऊ। लखनऊ-अयोध्या कैंट-वाराणसी परीक्षा स्पेशल ट्रेन (04270) का संचालन 23 से 25 अगस्त तथा 30 व 31 अगस्त को किया जाएगा। परीक्षा स्पेशल ट्रेन चारवाग स्टेशन से 19.20 वजे रवाना होकर वाराणसी दूसरे दिन तड़के 02.55 वजे पहुंचेगी। स्पेशल ट्रेन का ठहराव वारावंकी, रुदौली, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, अकवरपुर, शाहगंज, जौनपुर स्टेशनों पर दिया गया है।

**लखनऊ-रायबरेली-वाराणसी स्पेशल ट्रेन**

लखनऊ। लखनऊ-रायवरेली-वाराणसी परीक्षा स्पेशल ट्रेन (04271) का संचालन 23 से 25 अगस्त तथा 30 व 31 अगस्त को किया जाएगा। परीक्षा स्पेशल ट्रेन चारवाग स्टेशन से 20 वजे रवाना होकर वाराणसी दूसरे दिन तड़के 02.15 वजे पहुंचेगी। स्पेशल ट्रेन का ठहराव वछरावां, रायवरेली, गंगागंज, अमेठी, प्रतापगढ़, जौनपुर सिटी, भदोही रेलवे स्टेशनों पर दिया गया है।

# सिटी बसों में भी अभ्यर्थी करेंगे नि:शुल्क सफर

चारबाग रेलवे स्टेशनों के अलावा सभी बस स्टेशनों पर अभ्यर्थियों को मिलेंगी सिटी बसें

लखनऊ (एसएनबी)। पुलिस भर्ती परीक्षा में लखनऊ आने वाले अभ्यर्थियों को लेकर लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड ने चारवाग रेलवे स्टेशनों के अलावा वस स्टेशनों पर सिटी वसों का इंतजाम किया गया है। ट्रेन से आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रेलवे स्टेशन पर सिटी वसों की व्यवस्था रहेगी। परिवहन निगम की तरह सिटी वसों में भी अभ्यर्थियों को नि:शुल्क सफर की सुविधा मिलेगी।

लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के प्रवंध निदेशक आरके त्रिपाठी ने वताया कि चारवाग, आलमवाग, कैसरवाग और अवध वस स्टेशन से सिटी वसों का संचालन कुछ समय के अंतराल पर मिलती रहेगी। उन्होंने वताया कि गोमतीनगर व दुवग्गा सिटी वस डिपो से चलने वाली सीएनजी व इलेक्ट्रिक वसों का ज्यादा से ज्यादा संचालन किया जाएगा। उन्होंने वताया कि ट्रेनों से आने वाले अभ्यर्थियों को चारवाग रेलवे स्टेशन परिसर में ही सिटी वसों की सुविधा मुहैया करायी जाएंगी। उन्होंने वताया कि परिवहन निगम की तरह पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को भी सिटी वसों में नि:शुक सफर की सुविधा मिलेगी।

**लविवि के 6 ब्लॉक में बैठेंगे करीब 2500 अभ्यर्थी**

लखनऊ। शुक्रवार से शुरू हो रही पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को 6 व्लॉक में वांटा गया है, जिसमें 2500 के करीव छात्रों की परीक्षा कराने की तैयारी है। हर व्लॉक का एक इंचार्ज वनाया गया है, जिसमें महेंद्र अग्निहोत्री, ओपी शुक्ला, विमल जायसवाल, रूपेश कुमार समेत 6 लोग शामिल है और 200 के करीव इनविजीलेटर भी लगेंगे । वताया जाता है कि यूपीएससी के नियमों के तहत प्रत्येक कमरे में 24 से अधिक छात्रों को नहीं वैठाया जाएगा और प्रत्येक कमरे में दो शिक्षक ड्यूटी देंगे और उनके ऊपर ऑव्जर्वर और सेंटर सुपरीटेंडेंट भी ड्यूटी वजाएगा। पुलिस भर्ती परीक्षा 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को आयोजित होनी है।

# परीक्षा में गड़बड़ी करने पर उम्रकैद व एक करोड़ जुर्माना

लखनऊ [redacted] सिपाही भर्ती परीक्षा 2024 में पेपर लीक, नकल माफिया और सॉल्वर वनकर परीक्षा में गड़वड़ी करने पर पकड़े जाने पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा हो सकती हैं। वृहस्पतिवार को जेसीपी लॉ एण्ड आर्डर अमित वर्मा और डीसीपी मुख्यालय आरएन सिंह ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी।

जेसीपी लॉ एण्ड आर्डर अमित वर्मा ने वताया कि शहर में 81 परीक्षा केंद्र वनाए गए है। प्रत्येक पाली में 39,072 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। दो पाली में 78144 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। पांच दिनों में करीव 3,90,720 परीक्षा में शामिल होने की संभावना है। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और परीक्षा को लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, समस्त पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त को तैनात किया गया है। सभी परीक्षा केंद्रों में प्रशिक्षित पुलिस कर्मी हैडहेल्ड मेटल डिटेक्टर से भी जांच की जाएगी, जिससे कोई आपत्तिजनक और प्रतिवंधित सामग्री अंदर न जा सके। साथ ही सभी केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग को सुरक्षित रखा जाएगा, किसी के पास कोई सामग्री मिलती है तो कठोर कार्रवाई के साथ ही भविष्य की सभी प्रकार की परीक्षा के लिए प्रतिवंध लगा दिया जाएगा। वही अभ्यर्थियों को जाम का सामना न करने पड़े। इसके लिए रेलवे, मेट्रो और वस स्टेशनों के साथ ही टैक्सी स्टैडों पर भी यातायात के पुलिस कर्मी लगाए गए है। परीक्षा केंद्र के वाहर ही परीक्षार्थियों का वायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाएगा। प्रवेश पत्र की डिटेल और आधार कार्ड में दर्ज जानकारियों का मिलान किया जाएगा।

**तीन स्तर पर चेकिंग, परीक्षा केंद्र पर ढ़ाई घंटे पहले अभ्यर्थियों को पहुंचना होगा**

लखनऊ : पत्रकार वार्ता करते जेसीपी लॉ एण्ड आर्डर अमित वर्मा व डीसीपी मुख्यालय आरएन सिंह।

**81 केंद्रों पर होगी परीक्षा 390720 अभ्यर्थी हर पाली में देंगे परीक्षा**

**मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी :** पुलिस ने परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार से जाम या अन्य असुविधा से जूझना न पड़े। इसके लिये रेलवे, मेट्रो और वस स्टेशनों के साथ ही टैक्सी स्टैडों पर भी अतिरिक्त यातायात पुलिस कर्मी लगाए गये है। अभ्यर्थियों की सहायता के लिये हेल्पलाइन नंवर 8867786192 भी 9773790762 जारी किये गये है। वही, जिला प्रशासन ने कलेक्ट्रेट के कमरा नंवर 55 में कंट्रोल रूम वनाया है। परीक्षा से संवंधित शिकायत और जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंवर 0522-2611117, 0522-2611118, 0522-2611119 पर फोन कर सकते है।

**वनाए गए कड़े नियम** : जेसीपी अमित वर्मा ने वताया की परीक्षा को लेकर पूरी सतर्कता वरती जाएगी। उन्होंने वताया कि विना जांच के कोई अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में नही जा सकेगा। अभ्यर्थी सिर्फ पेन, प्रवेश पत्र और पहचान पत्र ही लेकर अंदर जायेंगे। परीक्षा समाप्त होने तक अभ्यर्थी व नियुक्त कर्मी केंद्र के वाहर नही जाएंगे। कोई भी इलेक्ट्रानिक डिवाइस परीक्षा केंद्र के अंदर नही ले जा सकेंगे। जेसीपी ने वताया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास सक्रियता के लिए लोकल इंटेलीजेंस यूनिट रहगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के सीसीटीवी की रिकार्डिंग को स्टोर करके रखा जाएगा। केन्द्रों के आस पास भी यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा पांच ड्रोन टीम में जगह-जगह तैनात रहेंगी जो हालात पर नजर रखेंगी।

**परीक्षार्थियों के ठहरने के लिए 29 स्थानों पर इंतजाम :** अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के ठहरने के लिए पुलिस ने शहर के सभी पांच जोन में 29 स्थानों पर अस्थायी व्यवस्था की है। इसमें नाका में 5, हुसैनगंज में 5, चौक, वजीरगंज, कृष्णानगर, विभूतिखंड, गुडम्व, ठाकुरगंज, और मड़ियांव में एक-एक, पारा में 4 , सुशांत गोल्फ सिटी में 2, मोहनलालगंज में 3, चिनहट में 3 स्थान शामिल है।

**सुरक्षा के कड़े इंतजाम :** जेसीपी ने वताया कि परीक्षा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शहर भर में 8 एसीपी , 62 इंस्पेक्टर, 11 महिला सव इंस्पेक्टर, 173 सव इंस्पेक्टर, 173 मुख्य आरक्षी, 346 आरक्षी, 173 महिला आरक्षी, सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ 162 सशस्त्र वल के जवान तैनात की गयी है। इसके अलावा एलआइयू ड्यूटी के लिए 492 कांस्टेवल को लगाया गया है। साथ ही मुख्यालय से 3 पुलिस उपाधीक्षक, 15 निरीक्षक व 2 कंपनी पीएसी को भी तैनात किया गया है। वही, सभी जोन में वने सीसीटीवी कंट्रोल रूम में 81 सव इंस्पेक्टर को तैनात किया गया है। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों पर ड्रोन कैमरों से भी नजर रखी जाएगी।

**पांचों दिन वदला रहेगा यातायात :** उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा 23,24,25,30 और 31 अगस्त को है। इन दिनों दो पालियों में परीक्षा होनी है। इसको लेकर परीक्षा वाले पांचों दिन यह ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया हैं। ■परीक्षा सामग्री ले जाने वाले वाहनों को छोड़कर कोई भी वाहन नीलगिरी तिराहे से नारी निकेतन तिरहा के वीच नहीं जा सकेंगे। ■परिवर्तन चौराहे से स्वास्थ्य भवन चौराहे तक वन-वे रहेगा। स्वास्थ्य भवन से परिवर्तन चौराहा वाहन जा सकेंगे। ■कैसरवाग वस अड्डे से सीतापुर रोड जाने वाली वसे चकवस्त नहीं जायेंगी। यह वलरामपुर, सिटी स्टेशन, जेसीपी कार्यालय, डालीगंज होकर जायेंगी। ■कैसरवाग से फैजावाद रोड जाने वाली वसे भी उपरोक्त मार्ग से जायेंगी।

## क्या सूर्या ने खरीदा है करोड़ों रुपयों का प्राइवेट जेट

एंटरटेनमेंट डेस्क। सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'कंगुवा' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच खबर आई है कि सूर्या ने एक प्राइवेट जेट खरीदा है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। सूर्या इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कंगुवा' की रिलीज को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस प्रोजेक्ट की कई झलकियों में उनके अजीबोगरीब लुक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। सूर्या भी बाकी साउथ के स्भी स्टार्स की तरह ही लग्जरी लाइफ जीते हैं। वहीं हाल ही में सूर्या से जुड़ी एक और खबर वायरल हुई है। अफवाहों के अनुसार सूर्या ने एक शानदार प्राइवेट जेट खरीदा है। जेट की कीमत इतनी है कि जिसमें एक फिल्म बनाई जा सकती है।

**क्या सूर्या ने खरीदा है प्राइवेट जेट**

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में अटकलें लगाई जा रही हैं कि सूर्या ने बेहद अनुकूल डसॉल्ट फाल्कन 2000 प्राइवेट जेट खरीदा है। कथित तौर पर इस प्राइवेट जेट की कीमत 120 करोड़ रुपये बताई जा रही है और यह कुछ सबसे आधुनिक तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। यह भी पता चलता है कि इस हालिया खरीद के साथ, सूर्या ऐसे शानदार जेट के एकमात्र मालिक बन गए हैं, जो उन्हें तमिल फिल्म इंडस्ट्री में एक कदम और ऊंचाई की ओर ले जाता है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। भारत में हर साल हजार से ज्यादा फिल्में बनती हैं। हर शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली फिल्मों की किस्मत तय होती है। इस दौरान कई ऐसी फिल्में होती हैं, जिन्हें दर्शक सिरे से नकार देते हैं। वहीं, कई ऐसी फिल्में भी होती हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार भी मिलता है और फिल्में बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाती है। आज इस कड़ी में हम बात

करेंगे उन फिल्मों की, जिन्होंने रिलीज के पहले सप्ताह में ही सबसे ज्यादा कमाई की है।

**'जवान'**

इस कड़ी में सबसे पहले नंबर पर पिछले साल रिलीज हुई फिल्म जवान है। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की इस फिल्म को दर्शकों ने काफी ज्यादा प्यार दिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी। फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह में ही 391. 33 करोड़ रुपये जुटा लिए थे। इस एक्शन ड्रामा में शाहरुख खान के अलावा विजय सेतुपति और नयनतारा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन साउथ के मशहूर निर्देशन एटली ने किया है।

**'पठान'**

इस सूची में दूसरे नंबर पर भी किंग अभिनेता शाहरुख खान की ही फिल्म है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए आयाम गढ़े थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर हजार करोड़ से भी ज्यादा का कारोबार किया था। फिल्म ने पहले सप्ताह में ही 364.15 करोड़ रुपये कमा लिए थे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शाहरुख के अलावा जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण भी नजर आए थे।

**'एनिमल'**

रणबीर कपूर की पिछले साल रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल भी इस प्रतिष्ठित सूची का हिस्सा है। फिल्म को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया, जो इसकी कमाई में भी साफ झलकता है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था। इस फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह में ही 338.63 करोड़ रुपये कमा लिए थे। फिल्म काफी विवादों में भी रही और इसे काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उससे फिल्म के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ा।

**'स्त्री 2'**

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 में दर्शकों को भरपूर मनोरंजन मिला है। फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई स्त्री की सीक्वेल है, जिसमें मूल फिल्म के सभी कलाकार अपनी भूमिका को दोहराते हुए नजर आए हैं। फिल्म ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया है। फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह में ही 290.85 करोड़ रुपये बटोर लिए थे। फिल्म पहले सप्ताह में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में चौथे नंबर पर है।

**'गदर 2'**

इस सूची मे पांचवे और आखिरी नंबर पर सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 काबिज है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की थी। पिछले साल रिलीज हुई इस फिल्म को अनिल शर्मा ने निर्देशित किया था। फिल्म ने पहले सप्ताह में 284. 63 रुपये बटोरे थे। ये फिल्म साल 2001 में रिलीज हुई गदर का अगला भाग है, जिसमें सनी देओल,अमीषा पटेल और दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी नजर आए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गदर 2 ने कुल 691 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

## पिंक सूट में आलिया भट्ट का दिखा गुलाबी अंदाज

## स्त्री की सफलता के बाद डिप्रेशन में चले गए थे 'जना', फिर 'हथौड़ा त्यागी' ने संभाला करियर

# आईफा अवार्ड्स 2024 की मेजबानी करेंगे शाहरूख खान करण जौहर, अबू धाबी में जमाएंगे रंग, साझा की खुशी

एंटरटेनमेंट डेस्क। सुपरस्टार शाहरुख खान और फिल्म निर्माता–निर्माता करण जौहर एक साथ मिलकर इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा) 2024 की मेजबानी करेंगे। यह पुरस्कार समारोह 28 सितंबर को अबू धाबी के यास द्वीप में होगा। पुरस्कार समारोह में शाहिद कपूर समेत बॉलीवुड के कई नामचीन कलाकार अपने शानदार प्रदर्शन से मंच पर चार चांद

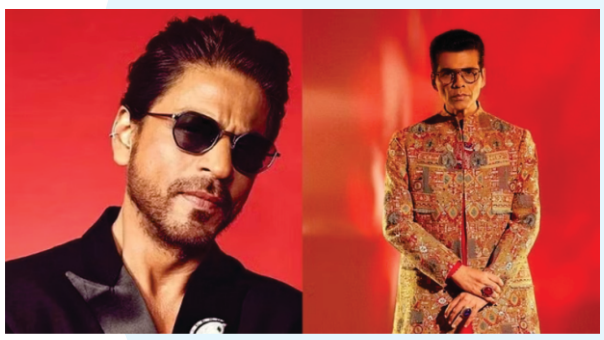

लगा देंगे। अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार 2024 तीन दिवसीय आयोजन होगा, जो 27 सितंबर से 29 सितंबर तक चलेगा। पहला दिन यानी 27 सितंबर आईफा उत्सव का दिन है, जिसमें चार दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग जश्न मनाएंगे। दूसरा दिन यानी 28 सितंबर आइफा अवॉर्ड्स की रात है। उत्सव का आखिरी दिन, 29 सितंबर, संगीत उद्योग के लिए आईफा रॉक्स को समर्पित है।शाहरुख खान ने आईफा अवार्ड्स के 24वें संस्करण की मेजबानी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'आईफा भारतीय सिनेमा का उत्सव है, जिसकी गूंज दुनिया भर में सुनाई देती है और वर्षों से इसके सफर का हिस्सा बनना अद्भुत रहा है। मैं आईफा की ऊर्जा, जुनून और भव्यता को एक बार फिर दिखाने करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि हम इस सितंबर में भारतीय सिनेमा के अविस्मरणीय उत्सव के लिए तैयार हैं।'

करण जौहर ने आईफा के 24वें संस्करण की मेजबानी के लिए अपनी वापसी की घोषणा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'दो दशकों से अधिक समय से आईफा मेरी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मेरे पिता, अपने व्यापक उद्योग अनुभव और दृष्टि के साथ शुरुआती वर्षों में आईफा के सलाहकार बोर्ड के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे, जिन्होंने भारतीय सिनेमा का जश्न मनाने के इसके मिशन में योगदान दिया।'

उन्होंने आगे कहा, 'आईफा के साथ उनका जुड़ाव बहुत गर्व का विषय था, जिसने हमारे परिवार के भारतीय फिल्म उद्योग और इसके अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच के साथ गहरे संबंध को और मजबूत किया। 27–29 सितंबर को अपने तीसरे शोकेस के लिए आइकॉनिक आईफा स्टेज पर अपने प्रिय मित्र शाहरुख खान के साथ जादू को फिर से जगाना एक बड़ा सम्मान है। एक अविस्मरणीय अनुभव के लिए तैयार हो जाइए – हम यास द्वीप, अबू धाबी को पहले से कहीं ज्यादा रोशन करने जा रहे हैं।'

## 'कहां शुरू कहां खतम' का ट्रेलर रिलीज

एंटरटेनमेंट डेस्क। गायिका ध्वनि भानुशाली की बालीवुड डेब्यू फिल्म 'कहां शुरू कहां खतम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में भानुशाली के साथ आशिम गुलाटी हैं और इसका निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है।

## अशीम ने तोड़ी शादी तो भगोड़ी दुल्हन बनीं ध्वनि

## 'वे बहुत दयालु थे.. कल्कि 2898

एंटरटेनमेंट डेस्क। प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण अभिनीत साइंस–फिक्शन डायस्टोपियन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 766.8 करोड़ करोड़ की शानदार कमाई की।

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी यह फिल्म आज यानी 22 अगस्त को ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है। अब, फिल्म निर्माता नाग अश्विन ने सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म पर काम करने पर चर्चा की है। जानकारी हो कि बिग बी ने फिल्म में

अश्वत्थामा का किरदार निभाया और उनके अभिनय ने प्रशंसकों समेत समीक्षकों का भी दिल जीत लिया।

नाग अश्विन ने 'कल्कि 2898 एडी' के सेट पर काम करने के लिए अमिताभ बच्चन को असाधारण रूप से दयालु और धैर्यवान बताया। अश्विन ने कहा, 'मुझे लगता है कि बच्चन सर एक महान व्यक्ति थे और एक टीम के रूप में और एक बहुत ही युवा टीम के रूप में उन्होंने हमारे साथ कितना धैर्य रखा, वह बेहद दयालु थे और वास्तव में कुछ ऐसा करने की कोशिश कर रहे थे जो आमतौर पर उनकी पीढ़ी का कोई व्यक्ति नहीं कर पाता।'

अश्विन ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'वह पूरी प्रक्रिया के साथ बेहद दयालु और धैर्यवान थे, वह आते थे, बैठते थे और जब तक हम चीजों को समझ नहीं लेते थे तब तक इंतजार करते थे। कुछ चीजों में हमारी योजना से अधिक समय लगा, और मुझे लगता है कि उनका अनुभव, विशेष रूप से एक्शन सीन में स्क्रीन पर दिखाई देता है, यही कारण है कि लोग इसका इतना आनंद लेते हैं।'

'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा की भूमिका निभाई है, जो लगभग छह हजार वर्षों तक पृथ्वी पर घूमते रहे और ऋषि और योद्धा द्रोणाचार्य के पुत्र और कौरवों के सहयोगी थे, जिसे अजन्मे परीक्षित को मारने का प्रयास करने के लिए अमरता का श्राप दिया गया था।

# रोहित शर्मा ने तीन लोगों को दिया टी20 विश्व कप जीत का श्रेय

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा एकबार फिर सुर्खियों में हैं। मुंबई में आयोजित सिएट क्रिकेट सम्मान समारोह में रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तीन दिग्गजों के नाम लिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह के प्रयासों की वजह से ही भारतीय टीम ने जीत हासिल की।

# कैच हो तो ऐसा! बाज–सी नजर और चीते जैसी रफ्तार

हवा में छलांग लगाते हुए लपका जॉर्जिया रेडमेने का कैच
बारबाडोस रॉयल्स ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स को हराया
Erin Burns का कैच देखकर हर कोई रह गया दंग

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 की शुरुआत धमाकेदार तरीके से हो चुकी है। बारबाडोस रॉयल्स महिला और गुयाना अमेजन वॉरियर्स महिला टीम के बीच ओपनिंग मैच खेला गया, जो कि रोमांच से भरपूर रहा। इस मैच में बारबाडोस रॉयल्स ने आखिरी गेंद पर एक विकेट से जीत दर्ज की। मैच में गुयाना अमेजन वॉरियर्स को भले ही हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन मैच में उनकी टीम की महिला खिलाड़ी एरिन बर्न्स (स्तपद ठनतदे ब्ंजबी) ने ऐसा शानदार कैच लपका, जिसको देखकर हर किसी की आंखे खुली की खुली रह गईं। अब इसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

**एरिन बर्न्स ने चीते की तरह छलांग लगाकर लपका हैरतअंगेज कैच**

दरअसल, गुयाना अमेजन वारियर्स की एरिन बर्न्स (स्तपद ठनतदे) ने शानदार फील्डिंग क नजारा पेश किया। उन्होंने बारबाडोस रॉयल्स की ओपनर जॉर्जिया रेडमेने को अपना शिकार बनाया। यह मामला बारबाडोस की पारी के पांचवे ओवर का रहा, जब अनुभवी गेंदबाज शबनिम इस्माइल गेंदबाजी कर रही थी। इस दौरान एरिन बर्न्स ने चीते जैसी छलांग लगाकर जॉर्जिया रेडमेने का कैच लपक लिया। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि गेंद लपकने में वह मिस कर जाएंगी, लेकिन बर्न्स की नजरें बिल्कुल बाज की तरह गेंद पर रही और ऑस्ट्रेलियाई स्टार ने बाईं ओर डाइव लगाते हुए एक बेहतरीन कैच लिया।

# 'बुमराह वापसी के बाद अधिक खतरनाक हो गए हैं',

स्पोर्ट्स डेस्क। चोट के कारण पिछले साल बुमराह अधिकांश समय मैदान से बाहर रहे थे और उन्होंने सितंबर 2022 में बाहर होने के बाद पिछले साल अगस्त से मैदान पर वापसी की थी। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउथी का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट से वापसी के बाद से और भी अधिक खतरनाक हो गए हैं। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। हालांकि, चोट के कारण पिछले साल बुमराह अधिकांश समय मैदान से बाहर रहे थे और उन्होंने सितंबर 2022 में बाहर होने के बाद पिछले साल अगस्त से मैदान पर वापसी की थी। उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग ने पिछले पांच–छह वर्षों में सभी प्रारूपों में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया था। मालूम हो कि बुमराह ने जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था।

**'बुमराह मौजूदा समय में तीनों प्रारूपों में शानदार हैं'**

साउथी ने बुधवार को कहा, सबसे पहले तो बड़ी चोट से उबरकर वापसी करना और बुमराह तो पहले से भी बेहतर हो गया है। इसके अलावा कई प्रारूपों में खेलना भी कई बार मुश्किल हो सकता है। ऐसा लगता है कि वह इसे आसानी से करने में सक्षम है।

वह शायद अधिक अनुभवी है, अपने खेल को थोड़ा और समझता है। शायद उसने चोट के बाद तरोताजा होकर वापसी की है। हम तीनों प्रारूपों में बुमराह का शानदार प्रदर्शन देख रहे हैं। वह इस समय तीनों प्रारूपों में शानदार है। मुझे नहीं लगता कि उनसे बेहतर कोई और है, वह तीनों प्रारूपों में जबरदस्त हैं।

**अक्टूबर में भारत का दौरा करेगी न्यूजीलैंड**

साउथी ने न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड के साथ उपमहाद्वीप में कुछ टेस्ट मैचों में नहीं खेलने की संभावना पर चर्चा की। न्यूजीलैंड की टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका जाने से पहले नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलना है। साउथी की टीम इसके बाद अक्टूबर में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत लौटेगी जिसके बाद वह इंग्लैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन टेस्ट खेलेगी।

# स्पिनरों के खिलाफ खेलने को लेकर डस्काटे ने दिया बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम का प्रदर्शन इस महीने की शुरुआत में समाप्त हुई श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में निराशाजनक रहा था और टीम को हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय बल्लेबाज इस दौरान श्रीलंकाई स्पिन आक्रमण के सामने बेदम दिखे और रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डस्काटे ने स्वीकार किया कि विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा ने भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन खेलने की क्षमता को प्रभावित किया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन इस महीने की शुरुआत में समाप्त हुई श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में निराशाजनक रहा था और टीम को हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय बल्लेबाज इस दौरान श्रीलंकाई स्पिन आक्रमण के सामने बेदम दिखे और रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। डस्काटे ने हालांकि कहा कि उनका काम महत्वपूर्ण सत्र से पहले बल्लेबाजों को दोबारा इसमें निपुण बनाना है जिसमें पांच घरेलू टेस्ट भी शामिल हैं।

**भारत को 27 साल में पहली बार श्रीलंका से वनडे सीरीज में मिली थी हार**

पारंपरिक रूप से स्पिन के खिलाफ मजबूत भारत ने इस महीने की शुरुआत में तीन मैचों की वनडे सीरीज में श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ 27 विकेट गंवाए और उसे सीरीज में 0–2 से हार का सामना करना पड़ा। यह 27 वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ भारत की पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज हार थी।

डस्काटे ने कहा, हम श्रीलंका के खिलाफ हार गए। भारत की मानसिकता ऐसी रही है कि वे विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत बेताब रहते हैं। हमारा ध्यान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। हमने स्पिन खेलना छोड़ दिया है जो हमेशा से भारतीय टीम की ताकत रही है लेकिन अब हम थोड़ा पीछे रह गए हैं। यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं करने के लिए उत्सुक हूं जिससे कि हम उस स्थिति में पहुंच सकें जहां भारतीय फिर से दुनिया में स्पिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन सकें।

**'भारतीय टीम चैंपियंस ट्राफी जीतने के लिए बेताब'**

भारत को सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। इन दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। दुनिया भर में कोचिंग का अच्छा अनुभव रखने वाले नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर डस्काटे ने कहा कि स्पिन खेलना तकनीकी बदलाव लाने के बजाय मानसिक बदलाव लाने के बारे में है। नीदरलैंड का यह 44 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी अभिषेक नायर के साथ मिलकर मुख्य कोच गौतम गंभीर की सहायता करेगा। डस्काटे ने कहा कि टीम अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए भी बेताब है। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी 2025 में होनी है। तैयारी के लिए केवल तीन वनडे मैच बचे हैं इसलिए प्रारूपों के बीच बदलाव करना और टीम को उसके लिए तैयार करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण होगा।

**'डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करना लक्ष्य'**

डस्काटे ने कहा कि अगले साल जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए क्वालिफाई करना भारतीय टीम के लिए एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत अभी डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है और ऑस्ट्रेलिया उसके करीब है। डस्काटे भारत द्वारा खेले जाने वाले 10 टेस्ट मैचों का उपयोग टीम की स्थिति को मजबूत करने के लिए करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए उत्सुक हैं।

10 टेस्ट बचे होने के कारण यह एक शानदार अवसर है। हमारे पास भारत में पांच टेस्ट हैं और फिर हम पांच और टेस्ट खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं, जो शानदार होने वाला है।

# पदक विजेता नीरज चोपड़ा और मनु भाकर की कमाई में इजाफा, विज्ञापन के लिए लगी कंपनियों की कतार

## कमाई में 30–40 प्रतिशत तक इजाफा

स्पोर्ट्स डेस्क। नीरज और मनु के अलावा पेरिस भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की एंडॉर्समेंट फीस में इजाफा हुआ है। ओलंपिक से पहले वह किसी ब्रांड के प्रमोशन के लिए 25 लाख रुपये एक साल के लिए लेती थीं। पेरिस ओलंपिक को समाप्त हुए लगभग दो सप्ताह का समय बीत चुका है। भारत ने कुल छह पदक अपने नाम किए। अब छोटी–बड़ी कंपनियां पदक विजेताओं को अपने ब्रांड प्रमोशन के लिए इस्तेमाल करना चाहती हैं। बताया जा रहा है कि रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा और कांस्य पदक विजेता मनु भाकर की कमाई में इजाफा हुआ है।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नीरज चोपड़ा की कमाई में 30–40 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। उनकी कमाई 29.6 मिलियन डॉलर से बढ़कर 40 मिलियन डॉलर (तकरीबन 330 करोड़ रुपये) हो गई है। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की ब्रैंड वेल्यू ओलंपिक से पहले हार्दिक पांड्या के बराबर थी। हालांकि, अब दिग्गज ने स्टार ऑलराउंडर को पीछे छोड़ दिया है।

वहीं, मनु भाकर पर भी नोटों की बारिश हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 22 वर्षीय महिला निशानेबाज ने हाल ही में कोल्ड ड्रिंक कंपनी के साथ करार किया है। इसके लिए उन्हें 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले मनु भाकर की एंडॉर्समेंट फीस 25 लाख रुपये प्रति वर्ष थी। हालांकि, अब इसमें इजाफा हुआ है। नीरज और मनु के अलावा पेरिस भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की एंडॉर्समेंट फीस में इजाफा हुआ है। ओलंपिक से पहले वह किसी ब्रांड के प्रमोशन के लिए 25 लाख रुपये एक साल के लिए लेती थीं। हालांकि, अब यह लगभग एक करोड़ हो गई है। बता दें कि विनेश ने हाल ही में समाप्त हुए ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीता है।

# रोनाल्डो ने बनाया एक और विश्व रिकार्ड

90 मिनट में 10 लाख हुए सब्सक्राइबस

स्पोर्ट्स डेस्क। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बुधवार को अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया। रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार के फैंस उनके चैनल की सदस्यता लेने और वह किस तरह से अपना जीवन जीते हैं, यह जानने के लिए यूट्यूब पर उमड़ पड़े। फैंस की उत्सुकता इतनी ज्यादा थी कि रोनाल्डो ने सबसे तेज एक मिलियन यानी 10 लाख ग्राहकों के लिए यूट्यूब का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि महज 90 मिनट में हासिल की।

खबर लिखे जाने तक रोनाल्डो के चैनल पर 13 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर्स हो चुके हैं। फुटबॉल स्टार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत की घोषणा की थी, जहां उनके बड़े पैमाने पर फॉलोअर्स हैं। रोनाल्डो के 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर 112.5 मिलियन, फेसबुक पर 170 मिलियन और इंस्टाग्राम पर 636 मिलियन फॉलोअर्स हैं। रोनाल्डो ने चैनल लॉन्च का एलान करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, 'इंतजार खत्म हो गया है। मेरा यूट्यूब चैनल आखिरकार जारी हो चुका है! इस नई यात्रा पर मेरे साथ जुड़ें।' अपना पहला वीडियो पोस्ट करने के कुछ घंटों बाद, 1.69 मिलियन फैंस चैनल को सब्सक्राइब कर चुके थे। रोनाल्डो के इस वीडियो को 90 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। 24 घंटे में रोनाल्डो को गोल्डन प्ले बटन भी मिल गया। उन्होंने अपने बच्चों को गोल्डन प्ले बटन दिखाया तो सभी झूम उठे। इसका वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया है।मेसी से ज्यादा रोनाल्डो के सब्सक्राइबर्स

रोनाल्डो के प्रतिद्वंद्वी और इंटर मियामी से खेलने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी का भी एक यूट्यूब चैनल है और उनके 2.27 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। मेसी ने इसे 2006 में लॉन्च किया गया था। रोनाल्डो का कहना है कि उनका चैनल न केवल उनके फुटबॉल करियर की कहानियों को लोगों तक पहुंचाएगा, बल्कि उनके फॉलोअर्स को उनके परिवार, स्वास्थ्य, पोषण, तैयारी, रिकवरी, शिक्षा और बिजनेस के बारे में भी जानकारी देगा।